मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 123
शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

अघाड़ीवालों को विकास से मतलब नहीं, बंटवारे पर भरोसा करती है कांग्रेस: पीएम मोदी

संभाजीनगर, 14 नवम्बर। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्रपति संभाजी नगर में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और अन्य महायुति नेता भी मौजूद रहे। अपने संबोधन की शुरूआत में पीएम मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र का ये चुनाव केवल नई सरकार चुनने का ही चुनाव नहीं है। इस चुनाव में एक ओर संभाजी महाराज को मानने वाले देशभक्त हैं और दूसरी ओर औरंगजेब के गुणगान करने वाले लोग हैं। मोदी ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र जानता है कि छत्रपति संभाजी नगर को ये नाम देने की मांग बालासाहेब ठाकरे ने उठाई थी। अघाड़ी सरकार की 2.5 साल सत्ता रही, लेकिन कांग्रेस के दबाव में इन लोगों की हिम्मत नहीं हुई। जबकि महायुति सरकार ने आते ही इस शहर का नाम छत्रपति संभाजी नगर किया। हमने आपकी इच्छा को पूरा किया, हमने बालासाहेब ठाकरे की इच्छा को पूरा किया। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद को छत्रपति संभाजी नगर बनाने पर सबसे ज्यादा तकलीफ किसे हुई थी? इसी कांग्रेस पार्टी को, अघाड़ी वालों को... जिसके पाले-पोसे हुए लोग इस फैसले को पलटने के लिए कोर्ट तक चले गए थे।प्रधानमंत्री ने कहा कि

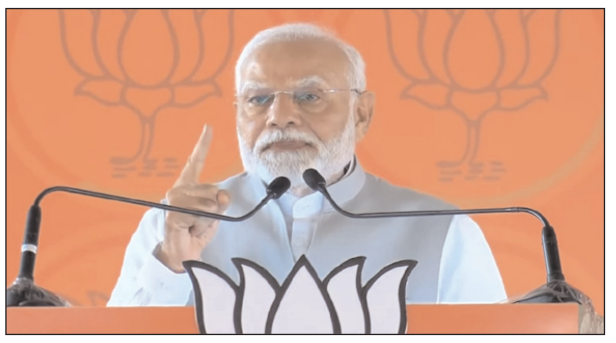

महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है। बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। इसलिए आज महाराष्ट्र में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। आज समृद्धि महामार्ग संभाजी नगर से होकर गुजर रहा है। मराठवाड़ा, विदर्भ और मुंबई से सीधे जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में विकास के इस महायज्ञ के साथ ही, हमारी सरकार, विरासत का अनुष्ठान भी कर रही है। भगवान विठ्ठल के भक्तों की सुविधा के लिए हमने पालकी महामार्ग का निर्माण करवाया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के लोग दशकों से मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने की मांग कर रहे थे। मराठा गौरव से जुड़ा ये काम भी भाजपा ने ही पूरा किया है। उन्होंने कहा कि अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र की परेशानियों को बढ़ाने के अलावा कोई काम नहीं किया है। मराठवाड़ा में लंबे समय से पानी का संकट रहा है, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वाले हमेशा हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। हमारी सरकार में पहली बार सूखे के खिलाफ ठोस प्रयास शुरू हुए। उन्होंने कहा कि ये अघाड़ी वाले आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे। आपसे अनुरोध है कि इन अघाड़ी वालों को घुसने ही मत देना।

मोदी ने कहा कि महायुति के लिए हमारा किसान, अन्नदाता है, विकसित महाराष्ट्र का सबसे मजबूत स्तंभ है। यहां कपास के किसान बहुत बड़ी मात्रा में हैं। हमारी सरकार उनकी आय बढ़ाने के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, सरकार बनाने के लिए विकास पर नहीं, बंटवारे पर भरोसा करती है। कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को आगे बढ़ने से रोकती है ताकि सत्ता पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी इनका कब्जा बना रहे।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बस पलटी, 25 लोग घायल

पीलीभीत, 14 नवम्बर। पीलीभीत जिले में मजदूरों को ले जा रही एक बस बृहस्पतिवार को सड़क किनारे एक गड्ढे में पलटी गई जिससे 25 लोग घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घुंघचाई पुलिस थाना के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि बस बरेली जिले के नवाबगंज और आसपास के गांवों से लगभग 60 श्रमिकों को बिहार के एक भट्ठे पर ले जा रही थी। बलरामपुर चौकी के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में करीब 25 लोग घायल हो गए और रुखसाना तथा जन्नती बेगम की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बाकी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरनपुर और निजी अस्पतालों में हो रहा है।

इंडिगो की फ्लाइट को फिर मिली बम की धमकी, रायपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

रायपुर, 14 नवम्बर। कोलकाता जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद गुरुवार सुबह रायपुर हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, जिससे यात्रियों और चालक दल के बीच डर फैल गया। रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के मुताबिक, एयरलाइंस को धमकी मिलने के बाद नागपुर से कोलकाता जा रही एक फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया। इंडिगो फ्लाइट के सभी 187 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को निकाल लिया गया और रायपुर हवाई अड्डे के एक लाउंज में ले जाया गया। विमान को एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां केंद्रीय

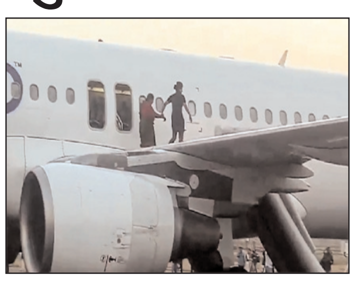

औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और रायपुर पुलिस की टीमों ने उड़ान को कोलकाता जाने की मंजूरी देने से पहले कई घंटों तक गहन निरीक्षण किया।

रायपुर के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के अनुसार, धमकी के सिलसिले में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि उसने जहाज पर बम होने की चेतावनी देते हुए एक धमकी भरा संदेश भेजा था। माना थाने में अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। हमें नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो की उड़ान 6ए812 में बम होने की सूचना मिली। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यात्रियों में से एक निमेश मंडल ने संदेश के जरिए यह धमकी दी थी। हमने निरीक्षण किया।अतिरिक्त एसपी कीर्तन राठौड़ ने कहा कि सीआईएसएफ की टीम के साथ विमान अच्छी तरह से जांचा गया और धमकी झूठी निकली। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है क्योंकि हमें संबंधित एयरलाइंस से शिकायत मिली थी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नंदुरबार, 14 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब कोरी है क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं पढ़ा है। गांधी ने कहा कि संविधान में भारत की आत्मा और बिरसा मुंडा, डॉ बी आर अंबेडकर और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा परिकल्पित सिद्धांत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूं, वो खाली है। नरेंद्र मोदी जी के लिए संविधान खाली है, क्योंकि उन्होंने कभी इसे पढ़ा ही नहीं है। वे कहते हैं कि राहुल गांधी लाल रंग का संविधान

दिखाता है। मोदी जी, इसके रंग से हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जो इसके अंदर लिखा है, हम उसकी रक्षा के लिए जान देने को तैयार हैं।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान में गांधी द्वारा प्रदर्शित लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की। वहीं, गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और भाजपा ऐसी टिप्पणियां करके राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में आपको 'आदिवासी' नाम दिया गया है। लेकिन बीजेपी-आरएसएस के लोग आपको 'वनवासी' कहते हैं। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है। आपके इसी अधिकार को बचाने के लिए बिरसा मुंडा जी अंग्रेजों से लड़े थे। आज यही सोच लेकर नरेंद्र मोदी और इखढ के लोग घूम रहे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने कहा कि महिलाओं, किसानों और युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता और मुफ्त बस यात्रा, 3 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफी और 4,000 रुपये प्रति माह सहायता जैसे प्रावधानों से संरक्षित किया जाएगा। बेरोजगार युवा. उन्होंने जाति जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों की संख्या और संसाधनों में उनकी हिस्सेदारी का पता लगाने में मदद मिलेगी।

गांधी ने दावा किया कि वर्तमान में आठ प्रतिशत आदिवासी आबादी में से निर्णय लेने में उनकी हिस्सेदारी केवल एक प्रतिशत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र से पांच लाख नौकरियां छीन ली गई हैं क्योंकि विभिन्न बड़ी परियोजनाओं को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार इसकी इजाजत नहीं देगी। महाराष्ट्र के लिए बनी परियोजनाएं यहीं रहेंगी जबकि गुजरात के लिए बनी परियोजनाएं वहीं रहेंगी।

झारखंड में मतदान के पहले चरण के बाद हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू: अमित शाह

रांची, 14 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद उनकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

शाह ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है। सोरेन और झामुमो नीत गठबंधन के नेताओं पर झारखंड के समृद्ध खनिज और अन्य संसाधनों को लूटने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने राज्य के गरीबों के लिए केंद्र द्वारा भेजे गए 3.90 लाख करोड़ रुपये भी हड़प लिए हैं। शाह ने गांडेय में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हम

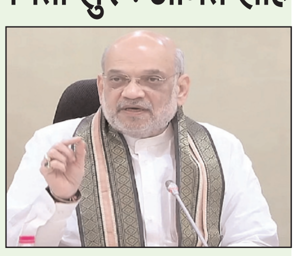

हेमंत सोरेन को जनता के लूटे हुए पैसे को भ्रष्ट नेताओं में बांटने से रोकेंगे। जनता से लूटा गया एक-एक पैसा राज्य के खजाने में वापस किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में हेमंत सोरेन की नाक के नीचे घुसपैठ होने की वजह से आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की आबादी कम हो रही है, लेकिन कल्पना सोरेन उनसे ही वोट मांग रही हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन गांडेय से झामुमो की निवर्तमान विधायक और पार्टी उम्मीदवार हैं।

हवन-पजून के साथ प्राचीन हनुमान मंदिर, पांडेयपुर का भव्य श्रृंगार

- भंडारे में उमड़ा असथावानों का हुजूम, किया प्रसाद ग्रहण
- श्रद्धालुओं ने चालीसा व बजरंग बाण का पाठ किया
- हनुमानजी को तुलसी व फूल का माला अर्पित की

सुरेश गांधी

वाराणसी। धर्म एवं आस्था की नगरी काशी के पांडेयपुर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में गुरुवार को श्रीहनुमान जी का 84वां भव्य श्रृंगार किया गया। इस मौके पर पूरे मंदिर को तरह-तरह के फूलों एवं रंग बिरंगी आकर्षक विद्युत झालारों से सजाया गया। पूरा मंदिर परिसर दुल्हन की तरह सजा है। सायं 6 बजे हवन के साथ बजरंगबली का विशेष हवन

पूजन किया गया। इस दौरान मंदिर कमेटी की तरफ से भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर में अलसुबह से ही हनुमान चालीसा व अन्य भजनों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बजरंगबली का दर्शन कर सुख-शांति की प्रार्थना की। मंदिर पुजारी दिलीप तिवारी के मुताबिक सुबह ब्रह्ममुहूर्त में महाआरती और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर में सुबह से ही दर्शन और पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। अद्भुत झांकियों के दर्शन-पूजन के लिए भोर से भक्तों की भीड़ जुटने लगी, जो देर रात तक अनवरत चलती रही। आरती के साथ दर्शन-पूजन शुरू हुआ। पवनपुत्र का दर्शन कर लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए मंदिर की परिक्रमा करते रहे।

रोने मात्र से मिल जाता है कष्टों से छुटकारा कभी अपने आराध्य की रक्षा तो कभी अपने भक्तों का संकट हरने, समय-समय पर बजरंगबली ने कई रुप धरे है।

कुछ ऐसा ही हुआ है तीनों लोकों में न्यारी, सांस्कृतिक धरोहरों की विरासत केन्द्र के साथ खूबसूरत मंदिरों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर भगवान भोलेनाथ के त्रिशूल पर बसी काशी में। काशी के पांडेपुर में विराजमान है प्राचीन हनुमान मंदिर। यहां बजरंगबली हनुमान बिल्कुल छोटे रुप में हैं।

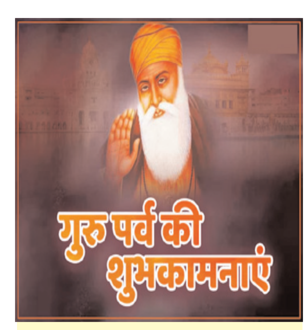

सूचना

देश वासियों को गुरु नानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं, उत्तरशक्ति प्रेस 15-11-2024 को बंद रहेगा अंगला अंक 17-11-2024 को प्रकाशित होगा।

– संपादक

गुरुनानक देव समाजक्रांति एवं धर्मक्रांति के पुरोधा

-ललित गर्ग

गुरुनानक देव जयन्ती- 15 नवम्बर 2024 के उपलक्ष्य में

भारतीय संस्कृति में गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए सिख समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरूआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने ह्यनिर्गुण उपासनाह्न पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया

था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर जोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया। गुरुनानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरक मिसाल है। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव, और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था।

नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। कहते हैं कि नानकदेवजी से ही हिंदुस्तान को पहली बार हिंदुस्तान नाम मिला। लगभग 1526 में जब बाबर द्वारा देश पर हमला करने के बाद गुरु नानकदेवजी ने कुछ शब्द कहे थे तो उन शब्दों में पहली बार हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण हुआ था- खुरासान खसमाना कीआ हिंदुस्तान डराईआ। एक और घटना है- नानक ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती धूप में किसी ग्राम में गए। वहाँ वे गर्मी से बेहाल विश्राम करने के लिए बैठ गए। उन्हें कब नींद आ गई पता ही नहीं चला क्योंकि एक बड़े सर्प ने अपना फन फैलाकर उन्हें छाया प्रदान कर दी थी। गाँववाले यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए। गाँव के मुखिया ने उन्हें देवस्वरूप समझकर प्रणाम किया। तभी से नानक के नाम के आगे ह्यदेवह्य शब्द जुड़ गया। वे कालांतर में ह्यगुरु नानकदेवह्य के नाम से विख्यात हुए। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। गुरुनानक देव का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। गुरुनानक देव जी ने न केवल शिक्षाएं दीं, बल्कि स्वयं भी इसका पालन किया। उन्होंने करतारपुर साहिब में बिताए अपने जीवन के आखिरी 18 वर्षों में खेतों में हल चला कर यह बताया कि हर इंसान को अपने जीवन में मेहनत करनी चाहिए। एक अन्य रोचक घटना में उनके पिता ने उन्हें गृहस्थ आश्रम की ओर ध्यानाकर्षित करने के लिए तत्कालीन नबाव लोदी खाँ के यहाँ नौकरी दिलवा दी। वहाँ उन्हें भंडार निरीक्षक की नौकरी प्राप्त हुई। परंतु नानक वहाँ भी साधु-संतों पर बेहिसाब खर्च करते रहे। इसकी शिकायत नवाब तक पहुँची तब उसने नानक के खिलाफ जाँच के आदेश दे दिए। परंतु आश्चर्य की बात यह थी कि उस जाँच में कोई कमी नहीं पाई गई। एक बार नानकदेव भ्रमण के दौरान मक्का पहुँचे। वह थकान के कारण काबा की ओर पैर कर-के सो गए। जब वहाँ के मुसलमानों ने यह दृश्य देखा तो वे अत्यधिक क्रोधित हुए। चमत्कार उस समय घटित हुआ जब लोग उनका पैर जिस दिशा में करते उन्हें उसी दिशा में काबा के दर्शन होते। यह देखकर सभी ने उनसे श्रद्धापूर्वक क्षमा माँगी। गुरु नानक देव ने ह्यगुरुग्रंथ साहबह्न नामक ग्रंथ की रचना की । यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है । इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन् 1539 ई० में अमरत्व को प्राप्त कर गए। श्री गुरुनानक देवजी के सबसे निकटस्थ शिष्य मरदाना को माना जाता है जो कि जाति से मुसलमान थे। आप देखिये नानक देवजी के तप का प्रभाव कि मरदाना ने अपना पूरा जीवन गुरुनानकजी के सेवा में गुजारा। सैकडों साल पुराने सामाजिक सच, आज के सच हों, यह जरूरी नहीं है। अतः सत्य की खोज के लिए गतिशीलता एवं विवेक की अपेक्षा है। उन्होंने परम चक्षु-अंतर्दृष्टि को जगा और श्रेष्ठताओं के संवर्धन हेतु विशिष्ट पराक्रम किया। इसका तात्पर्य यह है कि आध्यात्मिक विकास हेतु विवेकयुक्त पुरुषार्थ की नितांत अपेक्षा रहती है। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, ह्यअवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे। यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पूर्व ही प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की जोड़ तोड़ शुरू!

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की लड़ाई बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन के बीच मानी जा रही है। सत्ता पर काबिज होने के लिए भले ही दो गठबंधन के बीच मुकाबला हो, लेकिन सत्ता की बागडोर किसके हाथ यानी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कौन विराजमान होगा, यह तस्वीर न ही एनडीए में साफ है और न ही इंडिया गठबंधन में। ऐसे में सवाल उठता है कि महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों गठबंधन में शामिल दल चुनाव बाद भी अपने पुराने गठबंधन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखेंगे या फिर 2019 की तरह होगा खेला?

गौरतलब है कि अभी कुछ दिनों पहले तक ऐसा लग रहा था कि बीजेपी ने महाराष्ट्र में बिहार वाले प्रयोग पर ही चलने का इरादा कर लिया है। यानि कि अधिक विधानसभा सीट जीतने के बावजूद सहयोगी पार्टी के नेता को प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की कुर्सी देना। बिहार और महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने कम से कम अपने सहयोगी पार्टी को अपना बड़ा भाई बनाने में कोई संकोच नहीं किया। महाराष्ट्र में पहले ऐसा समझा जा रहा था कि विधानसभा चुनाव में शायद अधिक सीट आने पर बीजेपी फिर से महाराष्ट्र का दायित्व पूर्व सीएम और वर्तमान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को सौंप देगी। पर पिछले दिनों एक पीसी में प्रदेश के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने यह कबूल किया कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ही होंगे। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में यह मानकर लोग चल रहे थे कि हो सकता है कि एकनाथ शिंदे प्रदेश के अगले नीतीश कुमार बन जाएं। पर अचानक एक बार फिरसे देवेंद्र फडणवीस के नाम का घोड़ा महाराष्ट्र में दौड़ने लगा है। शीर्ष भाजपा नेतृत्व और पार्टी कार्यकताओं द्वारा यह कहा जाने लगा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद के लिए फडणवीस का नाम उपयुक्त है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि यदि राज्य में महायुति को बहुमत मिलता है तो भाजपा बड़े भाई की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक है ताकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राज्य के शीर्ष पद पर वापसी सुनिश्चित कराई जा सके।

बहरहाल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह साफ कर दिया है कि एकनाथ शिंदे मौजूदा मुख्यमंत्री हैं, लेकिन महाराष्ट्र नए सीएम का फैसला चुनाव नतीजे आने के बाद एनडीए में शामिल तीनों दल बैठक कर तय करेंगे। इससे एक बात को साफ हो गई है कि शिंदे एनडीए के सीएम चेहरा नहीं है और चुनाव के बाद बीजेपी अपने पत्ते खोलेगी। इसी तरह की स्थिति इंडिया गठबंधन में भी है, कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार मिलकर जरूर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन सीएम पद को लेकर तीनों ही दलों की नजर है। शरद पवार ने भी अमित शाह की तर्ज पर कहा है कि गठबंधन नतीजे आने के बाद सीएम पद के लिए विमर्श करेगा। हालांकि, शिवसेना और एनसीपी के सूत्रों का मानना है कि गठबंधन की राजनीति में कई कारक मुख्यमंत्री के चेहरे को निर्धारित करते हैं, खासकर जब कोई भी पार्टी अकेले बहुमत नहीं पाती है। इसलिए अभी इस चर्चा में जाने का कोई मतलब नहीं है। वैसे भी महाराष्ट्र की राजनीति पिछले 5 सालों में जैसे बदल रही है उसके हिसाब से कुछ भी कहा नहीं जा सकता है।

सीएम पद के लिए फडणवीस को मिल रहे समर्थन के दो कारण गिनाएं जा रहे हैं। जैसा कि 2014 से 2019 के बीच जब फडणवीस राज्य के शीर्ष पर थे, महाराष्ट्र ने राज्य के कल्याण के लिए साहसिक प्रशासनिक कदम उठाए। पार्टी और आरएसएस में बहुत से लोग मानते हैं कि उन्हें 2022 में एनडीए में शिवसेना को समायोजित करने के लिए मुख्यमंत्री का पद त्यागना पड़ा था और अगर भाजपा अपनी ताकत के बलबूते सत्ता में लौटती है, तो ऐसा फिर नहीं होना चाहिए।

2019 विधानसभा चुनावों से पहले, जब भाजपा अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में थी, उसने फडणवीस को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया। उनके राज्यव्यापी जनादेश यात्रा के बाद भाजपा ने 105 सीटे जीत लीं। इसके साथ ही बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जबकि अविभाजित शिवसेना 56 सीटों पर सिमट गई। बाद में उद्धव ठाकरे ने अविभाजित एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस गठबंधन के विद्रोह के सूत्रधार के रूप में फडणवीस को देखा गया था। फडणवीस ने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की और कहा कि वे सरकार में शामिल नहीं होंगे।बाद में उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल होने के लिए पार्टी ने मना लिया। इन दो कारणों के चलते पार्टी में लोग चाहते हैं कि उन्हें फिर से वो सम्मान दिलाया जाए।

हीं, कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन में भी सीएम चेहरे को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। 2019 के चुनाव बाद बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ने के चलते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को भले ही एनसीपी-कांग्रेस ने सीएम बनाने की शर्त मान ली थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद स्थिति बदल गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसके चलते उसकी महत्वाकांक्षा जागी है। शरद पवार ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है, उसके चलते सत्ता पर राज करने की इच्छा जागी है।

उद्धव ठाकरे खेमा पहले ही सीएम पद की लालसा जाहिर कर चुका है और मानकर चल रहा है कि इंडिया गठबंधन अगर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटता है तो उद्धव ठाकरे सीएम बनेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस उद्धव ठाकरे ने इसी सवाल पर राजग से नाता तोड़ लिया, वह एमवीए की सरकार में दूसरे दल के नेतृत्व को स्वीकार करेंगे। ऐसे में फिर एक बार सियासी उथल-पुथल की संभावना बनती दिख रही है, लेकिन नतीजे के ऊपर सब निर्भर करेगा। सीएम पद के अलावा भी कई मतभेद दोनों गठबंधन में शामिल दलों के बीच हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना शुरू से ही हिंदुत्व के एजेंडे पर रही है और सावरकर को अपने आदर्श नेताओं में गिनती रही है। सीएम पद के लिए उद्धव ठाकरे ने अपने विरोधी विचारधारा वाली कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी, लेकिन वैचारिक टकराव बना रहा। सावरकर के सवाल पर मतभेद हैं। उद्धव ठाकरे नहीं चाहते कि राज्य में कांग्रेस सावरकर के खिलाफ बोले, जबकि कांग्रेस सावरकर को लेकर बीजेपी और संघ पर सवाल खड़े करती रही। हिंदुत्व और सावरकर के मुद्दे पर कांग्रेस और उद्धव खेमे में अलग-अलग सुर सामने आते रहते है। वहीं, दूसरी ओर एनडीए गठबंधन में शामिल अजित पवार की एनसीपी का भी वैचारिक स्तर पर बीजेपी के साथ मेल नहीं खा रहा। बीजेपी अपने सियासी एजेंडे के मुताबिक हिंदुत्व की बिसात पर नैरेटिव सेट कर रही है। सीएम योगी से लेकर पीएम मोदी तक बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे, नेक रहेंगे और सेफ रहेंगे की बात कर रहे हैं तो अजित पवार को यह सूट नहीं कर रहा है। अजित पवार ने साफ कह दिया है कि महाराष्ट्र में इस तरह की सांप्रदायिक विभाजन वाली राजनीति नहीं चलने वाली है। अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज और डॉ। अंबेडकर की विचारधारा चलेगी। यही नहीं बीजेपी के विरोध के बावजूद अजित पवार ने नवाब मलिक को टिकट ही नहीं दिया बल्कि पूरे दमखम के साथ उनके साथ खड़े हैं। इस तरह महाराष्ट्र में बने बेमेल गठबंधन चुनाव के बाद भी एक रहेंगे यह बड़ा सवाल है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि लोकसभा में मिली हार के बाद भाजपा कोर्स करेक्शन मोड में दिखाई देगा। भले ही फडणवीस सीएम पद के प्रमुख दावेदार हो सकते हैं, फिर भी महायुति के भीतर अपनी पसंद को अपने सहयोगियों पर थोपने के लिए भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना होगा। बल्कि सबसे बड़ी पार्टी के साथ-साथ इस तरह का बहुमत लाना होगा कि शिवसेना या एनसीपी के साथ बीजेपी को सौदेबाजी न करनी पड़े। पत्रकार विनोद शर्मा कहते हैं कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो अजित पवार और शिंदे अपनी शक्ति दिखा सकते हैं। क्योंकि महाविकास अघाड़ी किसी भी शर्त पर सरकार बनाने के लिए तैयार होगी। एनसीपी तो अभी से इस तरह व्यवहार कर रही है जैसे चुनाव बाद किसी के साथ जाने को स्वतंत्र है। हंग विधानसभा होने की स्थित में बहुत कम विधायकों के साथ भी ये दोनों पार्टियां सौदेबाजी के लिए स्वतंत्र होंगी।इसलिए अभी से फडणवीस का नाम क्यों बीजेपी ले रही है यह समझ से बाहर है। हंग असेंबली हुई तो एकनाथ शिंदे को सीएम पद का ऑफर दोनों ही ओर होगा। ऐसे में देखना है कि चुनाव के बाद कौन किसके साथ कैसे रहते हैं, लेकिन सरकार गठबंधन के लिए सिर्फ 3 दिन का ही समय मिलेगा?

क्या राजनीतिक अवसान की ओर बढ़ रहे हैं अशोक चव्हाण?

-सुधीर जोशी

भाजपा में शामिल होकर अपने ही पैरौं पर कुल्हाडी मारी

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अशोक चव्हाण के बारे में उन्हीं की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि अशोक चव्हाण ने भाजपा में प्रवेश लेकर अपनी राजनीति समाप्त कर ली है. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बालासाहेब थोरात ने पिछले दिनों यह बात कहकर सभी को चौंका दिया और कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री का अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में प्रवेश करना उनके तरफ से लिया गया एक गलत फैसला था. जिस तरह से राज्य के वर्तमान उपमुख्यमंत्री अजित पवार को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्होंने अपने चाचा शरद पवार का साथ छोड़कर बहुत बड़ी भूल की है. अपनी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ बारामती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपनी पत्नी सुनेत्रा को उतारने के फैसले को भी अजित पवार एक गलत फैसला मानते हैं.

अशोक चव्हाण ही नहीं कभी कांग्रेस में रहे संजय निरूपम, मिलिंद देवड़ा, दिवंगत बाबा सिद्दीकी ने कांग्रेस पार्टी को किसी न किसी मतभेद के कारण छोड़ दिया. पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह भी वर्तमान में भाजपा के नेता हैं. कभी भाजपा नेता रहे एकनाथ खड़से वर्तमान में शरद पवार की राकांपा का हिस्सा है तो कभी कांग्रेस के नेता रहे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे वर्तमान में भाजपा के नेता हैं. आदर्श घोटाले में संलिप्तता के कारण राज्य के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले अशोक चव्हाण के बारे में कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बालासाहेब थोरात ने एक जनसभा के दौरान बयान दिया था कि दिल्ली से मुझे टर्मिनेट करने का आदेश आ गया है. उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने अशोक चव्हाण की आलोचना की. थोरात ने कहा कि अशोक चव्हाण को खत्म करने की जरूरत नहीं है, जब वो भाजपा में शामिल हो चुके है तो उन्होंने खुद ही अपनी राजनीति पर विराम लगा दिया है. बालासाहेब थोरात कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए नांदेड़ में मौजूद थे. इस बार उन्होंने अशोक चव्हाण की राजनीति पर टिप्पणी की. थोरात का कहना है कि जब वक्त अशोक चव्हाण कांग्रेस में थे, उस वक्त उनका पार्टी में बड़ा मान था, सम्मान था, एक गरिमा थी, जिसे अशोक चव्हाण ने भाजपा में आकर समाप्त कर दिया. बालासाहेब थोरात ने कहा कि चव्हाण ने अपने ही हाथों अपनी राजनीति खत्म कर ली है. थोरात ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू के जरिए चव्हाण पर निशाना साधा. चव्हाण ने कांग्रेस में रहते हुए कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है. अशोक चव्हाण ने अपने कांग्रेसी राजनीतिक काल में राज्य के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार तो संभाला ही साथ ही साथ वे सार्वजनिक निर्माण कार्य विभाग के मंत्री भी रहे, कई मंत्री पदों पर रहे, इतने पदों पर रहने के बाद भी अशोक चव्हाण ने कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा को अपने राजनीतिक कुनबे के रूप में स्वीकार कर लिया, लेकिन कांग्रेस से भाजपा में आए अशोक चव्हाण कुछ खास नहीं कर पाए. अपने परंपरागत राजनीतिक कुनबे में आकर अशोक चव्हाण ने अपने ही पैरों पर कुल्हाडी मार ली है.

> सच तो यह है कि जिस तरह से संजय निरूपम, मिलिंद देवड़ा तथा बाबा सिद्दीक (अब स्वर्गीय) के कांग्रेस का दामन छोड़ने से पार्टी की ओर से कोई बहुत बड़ा दुख व्यक्त नहीं किया गया, उसी तरह अशोक चव्हाण के भी कांग्रेस छोड़कर दूसरी पार्टी में जाने पर बहुत दुख नहीं जताया गया. जो लोग शरद पवार का दामन छोड़कर अजित पवार के साथ भाजपा के साथ सत्ता का सुख भोग रहे हैं, लेकिन अपने राजनीतिक कैरियर को लेकर परेशान हैं, वे येन-केन- प्रकारेण फिर घर वापसी के प्रयास मे जुटे हैं, लेकिन कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले नारायण राणे तथा अशोक चव्हाण (दोनों महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं) आज अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर खासे चिंतित रहे हैं. एकनाथ खड़से भाजपा से राकांपा, नारायण राणे कांग्रेस से भाजपा तथा अशोक चव्हाण कांग्रेस से भाजपा इन तीनों का राजनीतिक राज्य में कई जगहों पर रिश्तेदारों के बीच छुर्शी की लड़ाई देखने को मिल रही है.

कांग्रेस में बड़े नेताओं में शुमार अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल तो हो गए हैं लेकिन उनकी गणना अभी-भी बाहर के नेताओं के रूप में ही की जा रही है. भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जिस तरह जिस तरह से शिवसेना के साथ बगावत करके भाजपा के साथ आकर सरकार बनाने वाले वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को महत्व दिया जा रहा है, वैसा महत्व अशोक चव्हाण को नहीं मिल रहा है. भले ही अजित पवार अपने चाचा के राजनीतिक कुनबे से अलग होकर राज्य की एकनाथ शिंदे की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए हैं, लेकिन उनकी घर वापसी की खबरें लगातार आती रहती हैं, लेकिन अशोक चव्हाण के साथ वैसी कोई खबर नहीं आती. कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी अशोक चव्हाण की घर वापसी को लेकर बहुत गंभीर नहीं है.कुल मिलाकर बदले हालातों में अशोक चव्हाण भाजपा के साथ कितने दिनों तक रहेंगे यही सबसे बड़ा सवाल है.

वर्तमान में भले ही अशोक चव्हाण भाजपा की ओर से राज्यसभा के सांसद हैं, लेकिन अशोक चव्हाण के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि छह साल बाद जब उनका राज्यसभा सांसद का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा तब वे क्या करेंगे. भाजपा में उन्हें आगामी केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिलने के आसार दूर-दूर तक नहीं है. आदर्श घोटाले में नाम सामने आने के बाद अशोक चव्हाण एक दागदार नेता के रूप में सामने आए हैं, ऐसे अशोक चव्हाण भविष्य में होने वाली किसी बड़ी सजा को टालने के लिए जब तक भाजपा के पास सत्ता है तब तक अशोक चव्हाण हालात के अनुरुप अपने को ढालने की कोशिश करेंगे और जैसे ही केंद्र तथा राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा अशोक चव्हाण घर वापसी यानि अपने पुराने राजनीतिक कुनबे यानी कांग्रेस में वापस चले जाएंगे. कांग्रेस नेता बाला साहेब थोरात ने अशोक चव्हाण के बारे में जो कुछ कहा है उस पर अगर ध्यान देकर अशोक चव्हाण अगर भविष्य में कांग्रेस में वापस चले जाए तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राजनैतिक रूप से एकजुट मुसलमान भी है जातियों-कुरीतियों में बंटा

-संजय सक्सेना

यह बात समझ से परे है कि गैर भाजपा दलों के नेताओं को हिन्दू समाज में पिछड़े और दलित जाति के लोगों की ही चिंता क्यों सताती है। उनका ध्यान उन और दलित मुसलमानों की तरफ क्यों नहीं जाता है जो उच्च श्रेणी के मुसलमानों के कारण अपने अधिकारों से वंचित हैं। मुसलमानों में इन दलित और पिछड़े लोगों की पहचान पसमांदा समाज के रूप में है। दरअसल,भारतीय मुसलमान मुख्यतः तीन जाति समूहों में बंटा हुआ है इन्हेंअशराफ,अजलाफ, और अरजाल कहा जाता है. ये जातियों के समूह हैं, जिसके अंदर अलग-अलग जातियां शामिल हैं. हिंदुओं में जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र वर्ण होते हैं, वैसे ही अशराफ, अजलाफ और अरजाल को देखा जाता है. अशराफ में सैयद, शेख, पठान, मिर्जा, मुगल जैसी उच्च जातियां शामिल हैं. मुस्लिम समाज की इन जातियों की तुलना हिंदुओं की उच्च जातियों से की जाती है, जिनमें ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य शामिल हैं. दूसरा वर्ग है अजलाफ. इसमें कथित बीच की जातियां शामिल हैं. इनकी एक बड़ी संख्या है, जिनमें खास तौर पर अंसारी, मंसूरी, राइन, कुरैशी जैसी कई जातियां शामिल हैं. कुरैशी मीट का व्यापार करने वाले और अंसारी मुख्य रूप से कपड़ा बुनाई के पेशे से जुड़े होते हैं. हिंदुओं में उनकी तुलना यादव, कोइरी, कुर्मी जैसी जातियों से की जा सकती है. तीसरा वर्ग है अरजाल. इसमें हलालखोर, हवारी, रज्जाक जैसी जातियां शामिल हैं. हिंदुओं में मैला ढोने का काम करने वाले लोग मुस्लिम समाज में हलालखोर और कपड़ा धोने का काम करने वाले धोबी कहलाते हैं. अरजाल में वो लोग हैं, जिनका पेशा हिंदुओं में अनुसूचित जाति के लोगों का होता था. इन मुसलमान जातियों का पिछड़ापन आज भी हिंदुओं की समरूप जातियों जैसा ही है.

राज्यसभा के पूर्व सांसद और पसमांदा मुस्लिम आंदोलन के नेता अली अनवर अंसारी कहते हैं कि मुसलमानों में भी जाति प्रथा हिंदुओं की तरह ही काम करती है. विवाह और पेशे के अलावा मुसलमानों में अलग-अलग जातियों के रीति रिवाज भी अलग-अलग हैं. मुसलमानों में भी लोग अपनी ही जाति देखकर शादी करना पसंद करते हैं. मुस्लिम इलाकों में भी जाति के आधार पर कॉलोनियां बनी हुई दिखाई देती हैं. कुछ मुसलमान जातियों की कॉलोनी एक तरफ बनी हुई है, तो कुछ मुसलमान जातियों की दूसरी तरफ. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में तुर्क, लोधी मुसलमान रहते हैं. उनके बीच काफी तनाव रहता है. उनके अपने-अपने इलाके हैं. राजनीति में भी ये देखा जाता है.अली अनवर कहते हैं कि जीने से लेकर मरने तक मुसलमान जातियों में बंटा हुआ है. शादी तो छोड़िए, रोटी-बेटी का रिश्ता भी नहीं है एक दो अपवाद को छोड़कर.जाति के आधार पर कई मस्जिदें बनाई गई है. गांव-गांव में जातियों के हिसाब से कब्रिस्तान बनाए गए हैं. हलालखोर, हवारी, रज्जाक जैसी मुस्लिम जातियों को सैयद, शेख, पठान जातियों के कब्रिस्तान में दफनाने की जगह नहीं दी जाती. उनके अनुसार, कई बार तो पुलिस को बुलाना पड़ता है.मुसलमानों में कम से कम 15 ऐसी जातियां हैं, जिन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए. मुसलमानों में जो पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें ओबीसी कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन उससे हलालखोर जैसी जातियों के लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि उनका पिछड़ापन हिंदू दलितों जैसा है. इस संबंध में प्रो. तनवीर फजल बताते हैं कि धर्म परिवर्तन के समय लोग अपने साथ अपनी अपनी जातियां भी लेकर आए. इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी उन्होंने जाति को नहीं छोड़ा. उत्तर प्रदेश के जिन राजपूतों ने मुस्लिम धर्म अपनाया, वे अभी भी अपने नाम के साथ चौहान लिखते हैं. खुद को राजपूत मानते हैं. यह भी माना जाता है कि जो तुर्क, मुगल और अफगान भारत में आए. उन्होंने अपने लोगों को शासन व्यवस्था में ऊंचा स्थान दिया और यहां के लोगों को कमतर निगाहों से देखा. प्रोफेसर फजल के अनुसार हो सकता है कि वहां से भी इसकी शुरूआत हुई हो.

खैर, यह सब बातें इस लिये बताई जा रही थीं क्योंकि हाल ही में प्रधापमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि यह लोग मुसलमानों में दलित और पिछड़ों की बात क्यों नहीं करते हैं। मोदी ने कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना करवाने की मांग की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा केवल हिंदू समाज की जातीय जनगणना की बात करने का उद्देश्य हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ भड़काना भर है, जबकि मुसलमानों की विभिन्न जातियों की बात पर कांग्रेस मुंह बंद कर लेती है।वैसे तो मोदी के निशाने पर कांग्रेस और गांधी परिवार था,लेकिन कमोबेश यही स्थिति उन तमाम दलों की भी है जो तुष्टिकरण या मुस्लिम वोट बैंक की सियासत करते हैं।इसमें समाजवादी पार्टी,बसपा,लालू यादव की पार्टी,ममता बनर्जी,केजरीवाल सभी दलों के नेता शामिल हैं।

यहां यह याद दिला देना भी जरूरी है कि भले ही मोदी राज में कांग्रेस जातीय जनगणना की बात कर रही हो कांग्रेस का पूर्व नेतृत्व जिसमें नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक की सरकारें शामिल थीं ने हमेशा जातिवाद का विरोध किया था।इतना ही नहीं कांग्रेस कग नेतृत्व वाली संप्रग सरकार जिसके मुखिया मनमोहन सिंह और सुपर पीएम सोनिया गांधी थी ने वादा करने के बावजूद 2011 में हुई जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी से संबंधित जातिगत गणना के आंकड़े को सार्वजनिक नहीं किया था। यह विडंबना ही है कि आज वही कांग्रेस और गांधी परिवार जातीय जनगणना के लिए सबसे अधिक व्याकुल है। कांग्रेस का विभिन्न मुस्लिम जातियों के बारे में चर्चा न करना और उनके बीच सामाजिक न्याय की उपेक्षा कर पसमांदा और अशराफ मुस्लिमों के विभेद को नकारना उसकी सामाजिक न्याय की नीति पर प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रधानमंत्री मोदी तो लगातार मुस्लिमों की जातियों और उनके सामाजिक न्याय के संघर्ष की तरफ सबका ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन तथाकथित सेक्युलर-लिबरल, कांग्रेसी और कम्युनिस्ट मुस्लिमों की जातियों पर चर्चा करना उचित नहीं समझते और न ही मुस्लिम समाज के सामाजिक न्याय का संघर्ष उनके लिए कोई मायने रखता है। उनके इस रवैये से पसमांदा समाज में क्षोभ की स्थिति व्याप्त होना स्वाभाविक है,लेकिन यह और बात है कि इस समाज के पास कोई सियासी विकल्प ही नहीं मौजूद है और बीजेपी पर यह समाज चाह कर भी भरोसा नहीं कर पाता है।क्योंकि बीजेपी के खिलाफ इनको दिलों में काफी जहर घोल दिया गया है। मुसलमानों में व्याप्त जातिवाद और इससे एक बड़े तबके को उसका हक नहीं मिल पाने की स्थिति में ओबीसी से संबंधित जातिगत आंकड़े एकत्र करना नितांत आवश्यक हो जाता है, ताकि शिक्षा, रोजगार एवं राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में इससे संबंधित सभी पात्र समुदायों को आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। 1955 में आई काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट ने मुसलमानों और अन्य पंथों के बीच कुछ जातियों/समुदायों को भी पिछड़ा घोषित किया था। मंडल आयोग ने भी सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया था कि जातियां या जातियों जैसी संरचना केवल हिंदू समाज तक ही सीमित नहीं, अपितु यह गैर हिंदू समूहों-मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच भी पाई जाती है। इसी तरह से इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ केस में नौ जजों की बेंच ने पिछड़ेपन के निर्धारक के रूप में आर्थिक मानदंड को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने जाति की अवधारणा को यह कहते हुए बरकरार रखा कि भारत में जाति एक सामाजिक वर्ग हो सकती है और प्रायः होती भी है। गैर-हिंदुओं यानी मुसलमानों और दूसरे धर्मों में पिछड़े वर्गों के सवाल पर न्यायालय ने कहा था कि उनकी पहचान उनके पारंपरिक व्यवसायों के आधार पर की जानी चाहिए। इस प्रकार पिछड़ा वर्ग एक ऐसी श्रेणी है, जो बिना किसी धार्मिक भेदभाव के विशेष रूप से उन जाति समूहों को संदर्भित करती है, जो सामाजिक पदानुक्रम में मध्य स्थान पर स्थापित हैं और आर्थिक, शैक्षिक तथा अन्य मानव विकास संकेतकों के मामले में पीछे रह गए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम समाज की जातिगत गणना की बात करना न्यायसंगत है, लेकिन तथाकथित मुस्लिम हितैषी और सामाजिक न्याय की बात करने वाली पार्टियों की तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं दिखी है। कुल मिलाकर जब तक संपूर्ण जातिगत जनगणना पर आम सहमति नहीं बन जाती है, तब तक मुस्लिम जातियों की जनगणना की जरूरत पर बल देना ही चाहिए, ताकि मुस्लिम समाज में भी सामाजिक न्याय स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। आज मुस्लिम समाज की जातीय जनगणना एक अनिवार्य अंग है, जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों को शीघ्र अति शीघ्र ध्यान देना चाहिए। यह मानना और प्रचारित करना निरा झूठ है कि मुसलमानों में जातियां नहीं हैं और उनमें कोई भेद नहीं है। यहां यह बात ध्यान रखना होगी कि मुस्लिम समाज की मौजूदा स्थिति न तो मुस्लिम समाज के हित में है और न राष्ट्रहित में। जब तक देश में बसने वाले सभी समुदायों को सभी क्षेत्रों में उचित भागीदारी द्वारा राष्ट्र की मुख्यधारा से न जोड़ा जाए, तब तक कोई भी देश विकसित और संपन्न नहीं हो सकता। न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि आम जनमानस, केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ मीडिया को भी यह समझने की जरूरत है कि मुस्लिम समाज भी ऊंच-नीच, अगड़ा-पिछड़ा, दलित और आदिवासी वर्ग में बंटा है। पूरे मुस्लिम समाज को एक समरूप समाज मानकर बनती आ रही नीतियों पर पुनर्विचार करते हुए मुसलमानों की जातिगत संरचना को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण पर बल देना चाहिए। इसके लिये सबसे पहले मुसलमानों की जातीय जनगणना कराया जाना ही एक मात्र विकल्प है।

पालघर जिला परिषद कार्यालय में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की मनाई गई जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के कार्यालय में गुरुवार 14 नवंबर 2024 को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई गई। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

बतादें कि जवाहरलाल नेहरू (जिनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद, वर्तमान जिला प्रयागराज, भारत में हुआ था तथा उनकी मृत्यु 27 मई 1964 को नई दिल्ली में हुई थी) स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री (1947-64) थे। जिन्होंने संसदीय सरकार की स्थापना की और विदेशी मामलों में तटस्थता (गैर-विरोधी) नीतियों के लिए जाने जाते थे। वह 1930 और 40 के दशक में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनके जन्मदिन को हर वर्ष बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे महान व्यक्ति की जिला परिषद कार्यालय में गुरुवार 14 नवंबर को उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी प्राथमिक सोनाली मातेकर, शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संगीता भागवत के अलावा जिला परिषद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

क्राइम पॉइंट समाचार पत्र के कार्यालय का उद्घाटन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला पश्चिम के हलावपुल में राष्ट्रीय हिंदी अखबार क्राइम पॉइंट के कार्यालय का संपन्न हुआ। बता दे की क्राइम पॉइंट अखबार का प्रकाशन पिछले 20 वर्षों से निरंतर हो रहा है। क्राइम पॉइंट ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में भी कदम रखा है। कार्यालय का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार एवं आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली तथा उद्योगपति एवं मनराज प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मनोज नथानी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अनिल गलगली ने कहा कि अखबार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। कभी भी पीट पत्रकारिता नहीं होनी चाहिए। मैं क्राइम पॉइंट अखबार के साथ पिछले 20 वर्षों से जुड़ा हूं तथा अखबार के निरंतर प्रकाशन के लिए अखबार की संपादक कमलेश गुप्ता को ढेर सारी शुभकामना देता हूं। उद्घाटन अवसर पर कुर्ला के प्रसिद्ध समाज सेवक नारायण पवार, वरिष्ठ पत्रकार मैंन बहादुर सिंह, कृष्ण मुरारी पांडे, राजकुमार विश्वकर्मा, बृजेश सिंह, राजहंस मौर्य, श्याम मिश्रा शिवसेना शाखा क्रमांक 165 के शाखा प्रमुख संजय भोसले तथा पत्रकार से नेता बने पवन पाठक भी उपस्थित थे। मेहमानों का स्वागत क्राइम पॉइंट अखबार की संस्थापक संपादक कमलेश गुप्ता, संपादक हरीश गुजेटी, राघवेंद्र तिवारी, विनोद तिवारी, रूप कुमार गुप्ता, बृजेश सिंह ने किया।

विधायक आयलानी के नेतृत्व में कार्यकताओं का भाजपा में प्रवेश

उल्हासनगर। भाजपा के विकास और शहर के विधायक कुमार आयलानी के कुशल नेतृत्व व पार्टी में परिवारवाद न होंने की वजह से तमाम लोग पार्टी में प्रवेश कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार शाम को खचाखच भरे टाउन हॉल में तमाम समर्थकों के साथ टीओके को छोड़कर सनी तेलकर, अन्नू केदार, विकास गुप्ता, विजू दरवेश, संतोष गौंड, रवी मोरे, राष्ट्रवादी शरद पवार गट आर्यन पवार, अशोक कदम ने भाजपा में प्रवेश किया। इस दौरान उनके समर्थक भारी उत्साह में दिखे। भाजपा के उम्मीदवार कुमार आयलानी की उपस्थिति में सनी तेलकर ने भाजपा में प्रवेश किया, अन्नू केदार, विकास गुप्ता, विजू दरवेश, संतोष गौंड, रवी मोरे, राष्ट्रवादी शरद पवार गट आर्यन पवार, अशोक कदम भारी संख्या में उनके समर्थक भी उनके साथ ही भाजपा में आए हैं। विपक्षी झूठे आश्वासन, झूठे दुष्प्रचार कर-के शहर की जनता में भ्रम की स्थिति पैदा करते हैं लेकिन हमारी पार्टी व हमारा उम्मीदवार आईने की तरह साफ है ऐसे में सच्चे लोग उनसे जुड़ने को तत्पर हैं। आने वाले समय मे भी तमाम ऐसे लोग पार्टी में शामिल होंगे जिससे विपक्षी अपने आश्चर्य को प्रकट करने से नही कतराएंगे ऐसा भाजपा पदाधिकारियों का कहना है। कुमार आयलानी के साथ भाजपा जिल्हा अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश व्यापारी सेल सचिव दीपक छतलानी, सुनील राना, लक्की नाथानी, विक्की मेंगवानी आदी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिवआरोग्य सेना की ओर से लोकशाहिर स्वर्गीय विट्ठल उमप की पत्नी को व्हील चेयर देकर किया गया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना में आज भी अनुशासन, संस्कार, बड़े छोटों का सम्मान और मदद की भावना जिंदा है। इसका सारा श्रेय हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे को जाता है। जिसकी ताजा मिसाल घाटकोपर में देखने को मिली। बता दें कि घाटकोपर पूर्व में शिव आरोग्य सेना के कार्याध्यक्ष डॉ. किशोर ठाणेकर राज्य समन्वयक जीतेंद्र सकपाल, उपाध्यक्ष जयवंत गाडे के निर्देश पर दिवंगत लोकशाहिर विट्ठल उमप की पत्नी सत्यभामा विट्ठल उमप जो कि वृद्धावस्था के कारण चल नहीं पाती थीं। ऐसे में मुंबई सहसमन्वयक प्रकाश वाणी, विभाग संगठक सचिन भांगे की ओर से उन्हें व्हील चेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान उमप के पोते सुनील भास्कर उमप, चंद्रकांत हल्दनकर, गोपाल जोशी, महेश पोद्दार, शशांक राणे आदि उपस्थित थे।

महायुति के उम्मीदवार विश्वनाथ भोईर की जीत तय: मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में आये मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हमने इस महाराष्ट्र विरोधी सरकार को सिर्फ इसलिए उखाड़ फेंका क्योंकि महा विकास अघाड़ी सरकार ने अपने ढाई साल के कार्यकाल में महाराष्ट्र को पतन की ओर ले जाने का काम किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यह आश्वासन दिया कि इस सभा में भारी भीड़ को देखते हुए महायुति के उम्मीदवार विश्वनाथ भोईर की जीत तय है। उन्होंने आगे कहा कि महाविकास अघाड़ी काल में महाराष्ट्र देश में तीसरे स्थान पर आ गया था। लेकिन जब महायुति की सरकार आई तो सिर्फ छह महीने में हमने उद्योग, निवेश, स्टार्टअप, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में महाराष्ट्र को एक बार फिर पहले स्थान पर ला दिया। इसी वजह से हमने राज्य में महाविकास अघाड़ी की सत्ता को उखाड़ फेंका है।

इस जनसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जली को आग कहते हैं, बुझी को राख कहते हैं, और जिस रख से बारूद बने उसे विश्वनाथ कहते हैं यह मशहूर डायलॉग के माध्यम से महायुति के प्रत्याशी विश्वनाथ भोईर की तारीफ की।

साथ ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस सभा में उमड़ी भीड़ को देखते हुए विश्वनाथ भोईर की जीत को काले पत्थर पर भगवा लकीर बताते हुए पदाधिकारियों और कार्यकताओं से लापरवाही न बरतने की अपील की।

भाजपा में शामिल होना गर्व की बात है: अजय तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी के जाने माने समाजसेवक व अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा का दामन थाम लिया।

और तिवारी ने कहा प्रथम राष्ट्र की विचारधारा रखने वाले और दुनियां के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से प्रभावित होकर सबसे बड़ी पार्टी भाजपा में प्रवेश करने पर मुझे सदैव गर्व रहेगा। और लाडली बहना के मार्गदर्शक जन जन के नेता देवेंद्र फडणवीस के जन हितैषी कार्यों से प्रभावित होकर एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के सराहनीय सहयोग से मैं जनसंकल्प सेवा के लिए आया हूँ।

और सदैव भाजपा की मजबूती के कार्य करता रहूँगा। और भाजपा ने हमारे ऊपर जो भरोसा दिखाया है उसे कभी टूटने नही दूंगा।

गोवा में 24 वीं एफएसकेओ वर्ल्ड चैम्पीयनशिप मे भिवंडी के विजेता खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गोवा राज्य में हुए कराटे वर्ल्ड चैंपियनशिप स्पर्धा में भिवंडी शहर के विजेता कराटे खिलाड़ियों का कामतघर स्थित लिटिल चैंप स्कूल में किया गया भव्य सत्कार। बतादें कि गोवा राज्य के पेडेम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मपूसा में चार दिवसीय वर्ल्ड कप कराटे चैंपियनशिप का आयोजन वर्ल्ड शोतोकॉन कराटे ऑर्गेनाइजेशन द्वारा किया गया था जहाँ पर अलग अलग देशों के लगभग 25 देशों के दस हजार से अधिक कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था तो वहीं इस चैंपियनशिप में भिवंडी के 9 कराटे खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया था। जो कि काता व कुमीते दोनों खेल में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर-के भिवंडी के खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 7 रजत व 4 कांस्य पदक जीतकर अपना परचम फहराते हुये भिवंडी शहर का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों के भिवंडी वापसी पर कराटे खिलाड़ी आयुष चौबे, सर्वेश सैनी, समीक्षा लोखंडे, वंशिका गुप्ता, आरव लांडगे, अर्जुन मिश्रा, ऋषभ निषाद, राज पाटेकर व सक्षम मिश्रा का सम्मान लिटिल चैम्प स्कूल के ट्रस्टी खिलना शाह, कल्पेश शाह सहित स्थानीय नगरसेवक नीलेश चौधरी, युवा नेता विक्की चौधरी, रवि पाटिल आदि गणमान्य लोगों ने सभी खिलाड़ियों को हार पहनाकर सम्मानपत्र देकर हौसला बढ़ाया और सम्मानित किया। इस स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों को तैयार करके गोवा तक ले जाकर सफलता हासिल करवाने में कराटे कोच अली मेमन, अंबर मेमन साथ ही खिलाड़ियों के अभिभावकों का विशेष योगदान रहा है।

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के संकेत : सचिन पायलट

आर्थिक राजधानी का दर्जा मुंबई से छीनना चाहते हैं मोदी - नसीम खान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच गया है। बुधवार को दो राष्ट्रीय नेता राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव चांदिवली विधानसभा क्षेत्र से महाविकास आघडी (कांग्रेस) उम्मीदवार मोहम्मद आरिफ नसीम खान का चुनाव प्रचार करने के लिए चांदिवली पहुंचे।

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव वे कहा कि जैसे लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के जनता ने भाजपा के 'अबकी बार 400 पार' के नारे की हवा निकल दी थी, उसी तरह महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में महायुति सरकार को हवा निकालने जा रही है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मैं अपने दोस्त नसीम खान के प्रचार के लिए आया हूं, जो सभी धर्मों का समान रूप से आदर करते हैं। उन्होंने दावा किया कि नसीम भाई विधायक ही नहीं निर्वाचित होंगे, बल्कि राज्य सरकार में मंत्री भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने मन बना लिया है कि बिकी हुई महायुति सरकार को हटाना ही है।

नसीम खान ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदें पर हमला बोलते हुए कहा कि इन्होंने मुख्यमंत्री पद की गरिमा को गिराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साम में महंगाई किस कदर बढ़ी वह किसी से छुपी नहीं है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं।

विकास के नाम पर कुछ कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल से यहां का विकास रुका हुआ है। यह चुनाव उस रुके विकास को पूरा करने के लिए हो रहा है। यह चुनाव नशा मुक्त करने का भी चुनाव है। यह चुनाव आपके परिवार के सदस्य नसीम खान का चुनाव है। उन्होंने कहा कि पिछला चुनाव में मैं 400 वोटों के मामूली अंतर से हार गया। लेकिन जो विधायक चुने गए, वे विकास की बजाय साजिश में लिप्त रहे।

विधानसभा चुनाव मद्देनजर दूसरे राज्यों से शराब बिक्री व परिवहन के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। निरीक्षक, राज्य उत्पाद शुल्क, दहानू, जिला पालघर द्वारा 13 नवंबर 2024 को गुप्त जानकारी के आधार पर की गई कारवाई में अवैध तरीके से शराब परिवहन व विक्री तहत शराब की बड़ी खेप पकड़ने में कामयाबी हासिल की गई है। निकटवर्ती केंद्र शासित प्रदेश से शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विभाग द्वारा दिन और रात गश्त और सतर्कता रखी जा रही थी। कि मिली गुप्त जानकारी के आधार पर 13 नवम्बर 2024 को निरीक्षक, राज्य उत्पाद शुल्क, दहानु, जिला पालघर विभाग के निरीक्षक सुनील देशमुख, राज्य उत्पाद शुल्क, भरारी स्क्वाड, पालघर जिला पालघर विभाग के निरीक्षक ए.एस. चव्हाण, दुय्यम निरीक्षक राजेश एस. शिंदे, दुय्यम निरीक्षक विश्वजीत एम. आभाले, दुय्यम निरीक्षक विकास आबनावे, सहायक दुय्यम निरीक्षक ए.एम.शेख, जवान कमलेश पेंदाम ने कुर्झे बांध के पास कुर्झे ठाकरपाड़ा रोड पर विभाग में जाल बिछाया। तलासरी जिला. पालघर में मारुति सुजुकी कंपनी की स्विफ्ट वीएक्सआई गाड़ी नं. डीएन-09/क्यू- 0473 का पीछा करने के बाद उस कार में परराज्यीय अवैध शराब पाये जाने पर माल सहित गाड़ी को जब्त कर लिया गया और उसके खिलाफ सी.आर.क्र. 175/2024 के अनुसार मामला दर्ज किया गया। उक्त अपराध में जब्त माल की कुल कीमत 10,54,900 रुपए है तथा मौके का फायदा उठाकर आरोपी फरार है। इस दौरान एक चार पहिया वाहन जब्त किया गया। उक्त कार्रवाई डॉ. विजय सूर्यवंशी आयुक्त, राज्य उत्पाद शुल्क, महाराष्ट्र राज्य मुंबई, प्रसाद सुर्वे, निदेशक (अं.व.द.) महाराष्ट्र राज्य मुंबई और प्रदीप पवार विभागीय उपायुक्त, कोंकण प्रभाग ठाणे, सुधाकर कदम, अधीक्षक, राज्य उत्पाद शुल्क, पालघर और बी.एन. भुतकर उपाधीक्षक, राज्य उत्पाद शुल्क, पालघर के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त अपराध की जांच विश्वजीत एम. आभाले, दुय्यम निरीक्षक राज्य उत्पाद शुल्क, दहानु-2, जिला पालघर द्वारा की जा रही है।

भाजपा के सोशल मीडिया संयोजक पर हमला

दो अज्ञात के खिलाफ पुलिस ठाणे में मामला दर्ज

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव क्षेत्र डोंबिवली का राजनीतिक पारा गर्म हो गया है। क्योंकि गुरुवार को दो अज्ञात हमलावरों ने भाजपा पदाधिकारी के कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ और गुंडागर्दी की है। डोंबिवली में भाजपा के सोशल मीडिया संयोजक तथा गुजराती सेल के मंडल अध्यक्ष जुगल उपाध्याय अपने कार्यालय में बैठे थे। सुबह करीब 10 बजे दो अज्ञात आरोपी कार्यालय में दाखिल हुए। उनके चेहरे रुमाल से ढके हुए थे। अज्ञात आरोपियों ने जुगल से कहा कि 'तूने फेसबुक पर हमारे समाज के खिलाफ विवादित पोस्ट किया है'। इतना कहने के बाद आरोपियों ने कुर्सी से जुगल पर हमला कर दिया। इस मामले में जुगल ने डोंबिवली के विष्णुनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। घटना को लेकर जुगल ने कहा कि उन्होंने किसी समाज के बारे में कोई विवादित पोस्ट नहीं किया है। हमलावर किस समाज के थे यह उन्होंने नहीं बताया। जुगल ने बताया कि बीजेपी विकास के मुद्दे पर राजनीति करती है, शायद विरोधियों को यह बात हजम नहीं होती इस संदर्भ में तुरंत ही भाजपा, शिवसेना, एनसीपी और आरपीआई महायुति के प्रमुख पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता लेकर इस घटना का विरोध किया। साथ ही कहा कि विरोधियों द्वारा दहशत निर्माण करने के मकसद से यह हमला किया गया है।

साकीनाका में दिवाली स्नेह सम्मेलन का आयोजन

नसीम खान को मिला स्वामी विश्वेश्वरानंद का आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में प्रत्याशियों का प्रचार अपने चरम पर है। इस बीच देश के प्रमुख हिंदू संत श्रीमाता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड के ट्रस्टी श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरीजी महाराज ने महाविकास अघाड़ी के चांदिवली से उम्मीदवार और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आरिफ मोहम्मद नसीम खान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं और जनता के हितों के लिए संघर्ष करने में सबसे आगे रहते हैं।

मंगलवार की शाम उत्तर भारतीय समाज की रामलीला समिति की ओर से आयोजित दिवाली स्नेह सम्मेलन में साकीनाका में उत्तर भारतीयों को संबोधित करते हुए विले पार्ले स्थित संन्यास आश्रम के प्रमुख स्वामी विश्वेश्वरानंद ने जय श्री राम के उद्घोष के बीच कांग्रेस नेता नसीम खान को अपना आशीर्वाद और समर्थन दिया।

स्नेह सम्मेलन में नसीम खान ने दिवाली और छठ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीला हम हर साल इसलिए खेलते हैं ताकि भगवान राम के किरदार को लोगों के सामने लाया जा सके और बताया जा सके कि क्यों उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा जाता है। अवधी भाषा में अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ₹उत्तर भारतीय समाज मेरा परिवार है। मैं जो कुछ भी हूं इस परिवार की वजह से हूं।₹ उन्होंने समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया।

पूर्व राज्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता चंद्रकांत त्रिपाठी ने भी नसीम खान के कार्यों और उनके समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि लगभग तीन दशक के राजनीति में जो मान-सम्मान नसीम खान ने अर्जित किया है, उतना मान-सम्मान बहुत कम राजनेता हासिल कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल नसीम खान कुछ सौ वोटों से विधानसभा में पहुंचने से वंचित रह गए थे। इस बार उसे कम्पनसेट करने की जरूरत है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश काँग्रेस समिती के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, शिक्षाविद डॉ राजेंद्र सिंह, अशोक नाहर सिंह, शारदा प्रसाद सिंह, लालता प्रसाद सिंह, डॉ शैलेंद्र सिंह, शोभनाथ सिंह, राजेश शर्मा, बाबूलाल सिंह, रामबक्श सिंह, रत्नेश सिंह, एड एस के दुबे, साधु सिंह, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश सिंह, बृजमोहन पांडे, आदित्य दुबे, विजयसिंह कौशिक, अखिलेश तिवारी, सुनील दुबे सहित सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग उपस्थित थे।

60% भारतीय माता-पिता कैल्शियम का सेवन बनाए रखने के लिए अपने बच्चों को दूध देते हैं - गोदरेज जर्सी मिल्क रिपोर्ट

मुंबई/पटना। आज जब पूरा देश बाल दिवस मना रहा है, गोदरेज जर्सी ने भारतीय अभिभावकों के बीच एक सर्वेक्षण किया, ताकि यह समझा जा सके कि अपने बच्चे को दूध देने का उनका क्या औचित्य है। जहां कुछ अभिभावकों ने फिट रहने और वजन को नियंत्रित रखने के साथ-साथ कुछ ऊर्जा प्राप्त करने और भोजन के विकल्प के रूप में दूध देने की आवश्यकता का जिक्र किया, वहीं देश भर में 60% अभिभावकों ने कहा कि वे अपने बच्चों को कैल्शियम का सेवन बनाए रखने के लिए दूध देते हैं। बॉटम्स अपइंडिया सेज चीयर्स टू मिल्क! शीर्षक से किए गए इस व्यापक अध्ययन में दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, बैंगलोर और कोलकाता से उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया है, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं और उद्योग के रुझानों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को दूध देने के पीछे के तर्क को समझने के अलावा, सर्वेक्षण में यह भी समझने की कोशिश की गई कि वे अपने बच्चे के लिए कौन से दूध-आधारित उत्पाद पसंद करते हैं।

भिवंडी पूर्व विधानसभा में महायुति के शिवसेना प्रत्याशी का बढता, प्रचार रैली को मिल रहा भारी प्रतिसाद

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव का प्रचार अब चरम पर है, ऐसे में 2019 के चुनाव में इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला था और मात्र 1314 वोटों से हारे शिवसेना (उबाठा गुट) के रूपेश म्हात्रे की एंट्री शिवसेना शिंदे गुट में हो गई है। जिससे शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार संतोष शेट्टी की ताकत और बढ़ गई हैं। जबकि भादवड, टेमघर, टेमघर पाड़ा का वोट सदैव निर्णायक रहा है, इस चुनाव में दोनों धुरंधरों का एक होना किसी को भी पछाडने की ताकत बन गयी है वहीं महायुति की पूरी टीम संतोष शेट्टी के साथ खड़ी है। शिवसेना प्रत्याशी संतोष शेट्टी ने कहा कि पिछले पंद्रह दिनों से हम दिन-रात कार्यकताओं के साथ प्रचार के लिए मतदाताओं के पास पहुंच रहे हैं और मतदाताओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है जिससे हमारी थकान को नई ऊर्जा मिल रही है। उक्त रैली में पूर्व नगरसेवक मदन बुवा नाइक, पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, बालाराम चौधरी आदि उनकी पूरी टीम हमारे साथ है। इस निर्वाचन क्षेत्र में वोटों का कोई धार्मिक ध्रुवीकरण नहीं होगा लेकिन यहां के लोग लाडकी बहिन योजना मिले लाभ को देखते हुए विकास के लिए वोट करेंगे। लाडकी बहिन योजना किसी भी जाति या वर्ग के साथ बगैर भेदभाव के शुरू की गयी है। उम्मीदवार संतोष शेट्टी ने विश्वास व्यक्त करते हुये कहा कि हमारी प्यारी बहनें अपने प्यारे भाई एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए निश्चित रूप से हमें वोट देंगी। 50 करोड़ रुपये के इस क्षेत्र में यहां की जनता सर्वसम्मति से शिवसेना को वोट देगी ऐसा विश्वास स्थानीय वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक बालाराम चौधरी ने व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, शातिर चेन स्नेचर बहादुर पाल पुलिस की जवाबी फायरिंग में हुआ घायल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में आज सुबह, चौबेपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच एक मुठभेड़ हुई। जिसमें एक शातिर चेन स्नेचर पुलिस के जवाबी फायरिंग से घायल हो गया।जिसको पुलिस ने घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। यह मुठभेड़ तब हुई जब पुलिस को इस बदमाश की रजवाड़ी हवाई पट्टी के पास होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही चौबेपुर और सारनाथ पुलिस की संयुक्त टीम ने बदमाश को घेरने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने जैसे ही रजवाड़ी हवाई पट्टी के पास बदमाश को घेर लिया, वह अपने आपको घिरता देख घबराते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी तत्परता से जवाबी फायरिंग की, जिससे बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर मोटरसायकिल से गिर गया। जिसे पुलिस ने तुरंत बदमाश को गिरफ्तार कर लिया और घायल का प्राथमिक उपचार नारपतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बाद बेहतर उपचार हेतु बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। घायल बदमाश की पहचान बहादुर पाल के रूप में हुई है। बहादुर पाल एक

शातिर किस्म का व्यक्ति है। जो पिछले कुछ वर्षों से चौबेपुर और सारनाथ थाना क्षेत्र में चेन स्नेचिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बहादुर पाल पर कई मामलों में आरोपी है।जिसमें चेन स्नेचिंग, चोरी और अन्य अपराध शामिल है। उसकी गिरफ्तारी को पुलिस ने बड़ी सफलता के रूप में देखा है, क्योंकि वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। बहादुर पाल के खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज थे।जिनमें प्रमुख रूप से चेन स्नेचिंग और सड़क किनारे लूट की घटनाओं का उल्लेख किया गया था। पुलिस ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर दिन-दहाड़े महिलाओं से चेन, मोबाइल और अन्य सामान छीनता था। इसके अलावा, उसके खिलाफ अन्य गंभीर आरोप भी थे।जिनकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एडीसीपी वरूणा सरवणन और एसीपी सारनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बदमाश को हिरासत में लिया और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और उपचार के बाद जेल भेजा जाएगा।

बाल दिवस पर लायंस क्लब रॉयल ने बांटी खुशियां

अभिताश गुप्ता

◆ कल के भविष्य को संवारने में जुटा लायंस क्लब
◆ योग्य नागरिक बनाना हमारा संकल्पः लायन मधुसूदन बैंकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाल दिवस के विशेष अवसर पर लायंस क्लब रॉयल ने नगर के शंकरमंडी चुंगी स्थित प्राइमरी पाठशाला के बच्चों के साथ मिलकर इस दिन को उत्साहपूर्वक मनाया। समाज के अति पिछड़े वर्ग से आने वाले इन बच्चों के बीच कुछ अनमोल पल व्यतीत कर।क्लब के सदस्यों ने उन्हें अपनेपन का अहसास कराते हुए उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का प्रयास किया। इस मौके पर बच्चों को मिष्ठान, चॉकलेट, चिप्स, बिस्कुट जैसे उपहार प्रदान किए गए।जिससे उनके दिन को खास बनाने की कोशिश की गई। क्लब के अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। और उनका सर्वांगीण विकास एवं उन्हें योग्य नागरिक बनाना क्लब का मुख्य उद्देश्य है। समाज के कम भाग्यशाली लोगों की सेवा करना ही हमारी संस्था का प्रमुख संकल्प है। कार्यक्रम में डॉ. विष्णु गौड़ ने बच्चों को रोचक किस्से और कहानियों के माध्यम से मनोरंजन कराया। साथ ही उन्हें शिक्षा और उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम संयोजक अभिताश गुप्ता ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सचिव अजय सोनकर ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों और बच्चों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विनीत गुप्ता, बालकृष्ण साहू, राजेंद्र स्वर्णकार, अमित गुप्ता, अजय मोदनवाल, जितेंद्र सोनी, बृजेश विश्वकर्मा गोपाल जी समेत कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। जिन्होंने सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। बाल दिवस पर बच्चों के चेहरों पर खुशियां लाकर लायंस क्लब रॉयल ने अपने सेवा कार्यों को और अधिक सार्थक बनाया।

नाली का पानी ओवरफ़्लो होने से गली में हो रहा है जलजमाव

कस्बा वालों को संक्रमण की आशंका, स्कूली छात्र-छात्राओं को आने जाने में होती है सबसे ज्यादा कठिनाइयाँ, नगर पंचायत सो रहा है कुंभकर्णी नींद

मोहम्मद अफजल, खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय कस्बा के वॉर्ड नंबर 9 आदर्श कन्या स्कूल के गली में आए दिन नाली का पानी ओवरफ्लो होने से गंदा पानी गली में बहता रहता है। जिससे आने-जाने वाली छात्र छात्राओं एवं राहगीरों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। आए दिन लोगों को गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है वहीं, संक्रामक बीमारियों का भी भय बना रहता है। इसके बाद भी जिम्मेदार लोग इस तरह की समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। वहीं, नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में नाली व सड़क के अभाव के कारण होने वाली समस्याओं से उबर नहीं पा रही है। नगर पंचायत प्रशासन की लापरवाही की वजह से लोगों में आक्रोश है।

डॉ.रिजवी लर्नर्स एकेडमी में विद्यार्थियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन, ब्लू हाउस ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 14 नवम्बर को डॉ.रिजवी लर्नर्स एकेडमी में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। इस खास मौके पर विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपने जोश, साहस और कौशल से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रमुख प्रधानाचार्या डा.रूचि शर्मा ने किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को खेलों के महत्व और जीवन में उनकी

भूमिका के बारे में प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। स्कूल की पूरी टीम को इस आयोजन के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के खेल मैदान में अनेक खेल गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिनमें दौड़,लंबी कूद, ऊँची कूद, क्रिकेट, भाला फेंक जैसे विभिन्न खेल प्रमुख थे। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और टीमवर्क का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खासकर विद्यार्थियों ने 200 मीटर दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन किया। दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें विजेता टीमों और खिलाड़ियों को शील्ड, प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को उनकी मेहनत और उत्साह के लिए प्रशंसा पत्र दिए गए। विद्यालय कि प्रधानाचार्या डा. रूचि शर्मा ने कहा,यह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा नहीं,बल्कि विद्यार्थियों के बीच आपसी सहयोग,अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन अवसर था।एवं खेल समारोह का समापन करते हुए सभी को खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समाप्ति के समय सभी र एकजुट होकर खेलो,बढ़ो और जीतों के नारे लगाए।और इस आयोजन को एक शानदार सफलता के रूप में मनाया। विद्यालय में इस खेल दिवस को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल था।और यह दिन सभी के लिए यादगार बन गया।

खेतासराय के सेंट मैरी स्कूल में मनाया गया बाल दिवस

पं. नेहरू के योगदान पर डाला गया प्रकाश

छात्रों ने रंगारंग संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत किये

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 14 नवम्बर स्टेशन गली में स्थित सेंट मैरी स्कूल में बाल दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह दिन बच्चों के लिए खास था, क्योंकि यह न केवल उनके अधिकारों और खुशियों का प्रतीक है, बल्कि हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर भी है। नेहरू जी हमेशा बच्चों को देश के उज्जवल भविष्य की नींव मानते थे और उनका यह आदर्श आज भी हम सभी के दिलों में जीवित है। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों ने खेलकूद बाल दिवस प्रतिज्ञा से की, जिसके बाद प्रधानाचार्य पूजा जायसवाल ने बच्चों को बाल दिवस के रोचक तथ्यों

से अवगत कराया। इसके बाद अध्यापिका रहनुमा खान और आतीफा शेख ने बच्चों के लिए सुंदर विचार प्रस्तुत किए। जो उन्हें जीवन में प्रेरणा देने वाले थे। विद्यालय के प्रबंधक अब्बास हैदर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल दिवस हमें यह सिखाता है कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। हमें अपने जीवन में एक ठानी हुई दिशा में आगे बढ़ते रहना चाहिए। बाल दिवस के मौके पर स्कूल के बच्चों के लिए कई रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था इस मौके पर अशोक यादव, रजनी बरनवाल, उर्वशी बरनवाल, दिया तिवारी समेत तमाम अध्यापक मौजूद थे।

मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत किसानों को प्याज के बाद अब लहसुन की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा उद्यान विभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि लहसुन की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत विशेष योजना बनाई गयी है।लहसुन की बढती मांग और कृषको की आर्थिक स्थिति को सुदृढ करने हेतु प्रदेश सरकार से मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत जनपद को 250 हे0 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमे 200 हे0 सामान्य व 50 हे0 अनुसूचित जाति के किसानो को देय होगा। किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते है। इच्छुक कृषक खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की फोटोकापी व 1 फोटो देकर पंजीयन कराकर जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क बीज प्राप्त कर सकते है। कृषक अपना आनलाइन पंजीकरण http://dbt.uphorticulture.in/ पर भी कर सकते है लहसुन का बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली (NHRDF) से प्राप्त कर किसानो को उपलब्ध कराया जायेगा। NHRDF से ही मंगाया गया प्याज का बीज किसानों को विररित किया गया जो अब समाप्ति की ओर है। अइसके अतिरिक्त शाकभाजी का बीज भी जिसमे फूलगोभी पत्तागोभी, टमाटर, शिमला मिर्च, करैला, खीरा निःशुल्क वितरित किया जा रहा हैं।

पंवारा पुलिस ने झपट्टा मारकर चेन छीनकर भाग रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना पंवारा पुलिस ने झपट्टा मारकर चैन छीनकर भाग रहे अभियुक्त विकास चौरसिया को एक चैन पीली धातु के

साथ किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष श्रीमति प्रियंका सिंह के कुशल मार्गदर्शन मे उ0नि0 विनोद कुमार अंचल मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 186/2024 धारा 134/317(2) बीएनएस थाना पवारा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित झपट्टा मारकर छीन कर भाग रहे 01 अभियुक्त विकास चौरसिया र/ड स्व0 फूलचन्द्र चौरसिया निवासी रज्जूपुर थाना पवारा जनपद जौनपुर को एक चैन पीली धातु के साथ गिरफ्तार किया।

परिषदीय स्कूलों की हुई खेलकूद प्रतियोगिता

निशानाथ, खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड शाहगंज सोंधी अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन श्री द्वारिका प्रसाद इण्टर कॉलेज कॉलेज सफीपुर

में किया गया जिसमें 200 मीटर प्राथमिक बालक दौड़ में अजीत कुमार प्रथम, द्वितीय रितिक सोनकर व तृतीय कृष सोनकर रहे। 200 मीटर प्राथमिक बालिका में प्रथम मुस्कान, द्वितीय आंशिक, तृतीय सपना रहीं। 200 मीटर जूनियर बालक में प्रथम हुरैरा, द्वितीय आलोक कुमार व तृतीय सौरभ रहे। 200 मीटर जूनियर बालिका में प्रथम अंशू यादव व द्वितीय सोनी व तृतीय स्थान पर निधि चुनी गई। खोखो में जूनियर बालक व बालिका वर्ग से विद्यालय कलापुर, जूनियर मेंहदी व रंगोली प्रतियोगिता में विद्यालय कलापुर, कबड्डी में जूनियर बालक वर्ग से अजुर्नपुर और बालिका वर्ग से कलापुर विद्यालय रहा तथा प्राथमिक बालक वर्ग व बालिका वर्ग से खुदौली विद्यालय विजयी रहा। अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे नोडल अधिकारी अशोक कुमार मौर्य ने ने खेल का महत्व प्रकाश डाला। इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानाचार्य अशोक यादव,आशीष कुमार सिंह, खुर्शीद आलम, संदीप कुमार सिंह, शिव प्रकाश, साधना सरोज, सीमा यादव एवं अच्छेलाल यादव मौजूद रहे।

विश्व मधुमेह दिवस पर सीएमओ ने जनजागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर इस वर्ष थीम Breaking Barriers, GAPS के अन्तर्गत एक जनजागरूकता रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा हरी झन्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में कुवर हरिवंश पैरामेडिकल कालेज के छात्र/छात्रओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत एक गोष्ठी का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि पिछले कुछ सालों में डायबिटीज के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी इलाकों में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे है। जिसकी मुख्य वजह बदलती लाइफस्टाइल खान-पान और शारीरिक व्यायाम में कमी है। डा0 के0के0 पाण्डेय द्वारा बताया गया कि डायबिटीज के कारण नसों, दिल और आंखों पर असर तो पड़ता ही है इसके साथ ही हड्डीयों से जुडी समस्यों जैसे-ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्टर का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि शुगर एक बहुत पुरानी बिमारी है, जिसे अपने खान-पान और लाइफस्टाइल के बदलाव से कंट्रोल में रखा जा सकता है। मधुमेह के लक्षण अत्यधिक प्यास लगना, अपरिहार्य वजन में कमी, बढ़ी हुई भूख, थकान महसूस करना, घावों का धीमा भरना इत्यादि लक्षण है। डायबिटीज से बचाव के लिये स्वस्थ्य आहार, नियमित व्यायाम, दवा का पालन, नियमित जॉच, तनाव कम करे, पर्याप्त नींद, पर्याप्त पानी पीये, रक्तचाप नियंत्रण रखने की सलाह दिये गये। उक्त प्रशिक्षण में एन0सी0डी0 सेल से जयप्रकाश गुप्ता,धीरज यादव एवं कुलदीप श्रीवास्तव आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया।इस अवसर पर नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार,जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव एवं एन0सी0डी0 क्लीनिक अमर शहीद उमानाथ सिंह, जिला चिकित्सालय जौनपुर के मेडिकल ऑफिसर डा0 के0के0 पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिव्यांग बच्चे भी कमाल कर सकते हैं: राजेश

साइबर इंस्टिट्यूट के छात्रों ने राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन के दिव्यांग बच्चों संग मनाया बाल दिवस

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरुवार को बाल दिवस के अवसर पर नगर के मियांपुर स्थित साइबर इंस्टिट्यूट के स्टूडेंट्स ने रूहट्टा स्थित राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र में पहुंचकर दिव्यांग बच्चों के साथ बाल दिवस का कार्यक्रम मनाया। राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र के संस्थापक डॉ राजेश कुमार ने कहा कि इस केंद्र पर आर्थोपेडिक, सेरेब्रल पाल्सी, मूकबधिर व नेत्रहीन सभी प्रकार के बच्चें हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग होने से किसी बच्चे के हुनर को कम नही कर सकते, कई नेत्रहीन दिव्यांग आईएएस जैसे पदों पर पहुंच चुके हैं, ऐसे में जरूरत है कि इन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की, जिसके लिये हमारी संस्था लगातार कार्य कर रही है। साइबर इंस्टीट्यूट के प्रबंधक राजीव पाठक ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिये किये जाने वाले इस पुनीत कार्य के अतिरिक्त राजेश जी लगातार क्षेत्र में लावारिश, दुर्घटना ग्रस्त, अर्धविक्षिप्त लोगो की भी लगातार सेवा करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने सरकार से राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन को अनुदान देने की मांग भी की है। जिससे कि ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग बच्चों को लाभ दिया जा सके।इस अवसर पर साइबर इंस्टिट्यूट के स्टूडेंट्स ने दिव्यांग बच्चों को अपने हाथों से नाश्त कराया तथा उनके साथ विभिन्न अनुभव साझा किए। सभी बच्चे बाल दिवस के इस अनोखे कार्यक्रम से काफी प्रसन्न तथा संतुष्ट नजर आए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंगल चौहान, अनुज पटेल, हेमू वर्मा, अंजली समेत काफी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बूम तोड़कर भागा पिकअप सवार

जंघई। जंघई फाटक का बूम तोड़कर अज्ञात पिकअप मछलीशहर की तरह भाग गया सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने जांच शुरू कर दी है। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन के पूर्वी फाटक 51बी को वृहस्पति वार शाम 6 बजे एक एक अज्ञात पिकअप बूम तोड़ कर मछलीशहर की तरफ भाग निकला।बताते है की पिकअप ज्योही रेलवे ट्रैक पर पहुंचा अचानक फाटक बंद हो गया जिसके कारण पिकअप सवार बूम तोड़ते हुए भाग निकला।गेटमैगेटमैन की सूचना पर स्टेशन अधीक्षक के मेमो पर आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच कर जांच मे जुट गयी। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार का कहना है मामले की जांच की जा रही है अज्ञात पिकअप के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

दिनदहाड़े युवक की हत्या कर सड़क किनारे फेंका शव

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के सराय त्रिलोकी मोड़ के पास गुरुवार की दोपहर अज्ञात बदमाशों ने एक युवक बुरी तरह मारपीट कर रोड के किनारे फेंक दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक उपचार हेतु बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक ऊदपुर घाटमपुर गांव निवासी 27 वर्षीय हर्षित सिंह उर्फ साहिल पुत्र

अवनीश सिंह को अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर प्रयागराज हाइवे के सराय त्रिलोकी मोड़ के पास रोड के किनारे फेंक दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही समाचार संकलन तक प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि मृतक के परिजनों की लिखित तहरीर के आधार पर अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। उधर मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

साईबर ठगों ने महिला से 6 हजार उड़ाया

आशा बनकर टीकाकरण के नाम पर ओटीपी लिया और उड़ गया 6 हजार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कस्बा मानी कलाँ में वृहस्पतिवार को तीन महिलाओं के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से काल आया जिससे आशा होने की बात कहकर टीकाकरण की जानकारी लेते हुए ओटीपी पूछा गया ।और एक महिला ने ओटीपी बता दिया तो उसके खाते से छ हजार रुपया कट गया जिसे बाद में ठगी का एहसास हुआ।

उक्त गाँव निवासी मरियम पत्नी रेहान व राधिका पत्नी जितेंद्र,सायमा पत्नी वहाजुद्दीन के फोन पर 9942450532 से काल आया की हेल्थ वर्कर आशा बोल रहे है। आपके बच्चों का टीकाकरण हुआ है उसको फीड करना है एक ओटीपी जाएगी उसको बता दो ये कहकर महिलाओं को विश्वास में लेकर मांगी गयी ओटीपी जिसमें से सायमा ने बता दिया तो उसके खाते से छ हजार रुपया कट गया बाकी दो महिलाओं ने नही बताया बल्कि आशा के नंबर पर फोन लगाकर जानकारी दिया तो आशा के मना करने पर नही बताया ।और दो महिलाएं ठगी का शिकार होने से बच गयी घटना की सूचना पीड़ित ने पुलिस को नही दिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को किया गया याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपनी दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से भारत को सामाजिक, वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले 'हिंद के जवाहर' को जौनपुर कांग्रेस परिवार का नमन। हुकुम देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर जौनपुर कांग्रेस शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का जन्मदिन रासमंडल स्थित रचना विशेष विद्यालय के बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित करके मनाया गया। इस अवसर पर विशाल सिंह हुकुम ने मानसिक रूप से अपरिपक्व बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने वाले रचना विशेष विद्यालय के संचालक और पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू, आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जिसे लोग प्यार से चाचा नेहरू कहते हैं। चाचा इसलिए भी क्योंकि वह बच्चों के सबसे प्रिय थे। यही वजह रही कि आज भी 14 नवंबर के मौके पर उनकी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं। सालों लड़ी लड़ाइयों के बाद मिली आजादी और पहली सरकार के मुखिया पंडित नेहरू के सामने विभाजन का दंश भी था और देश की खराब हालत भी। उन सभी चुनौतियों से पार पाते हुए नेहरू ने 1947 से 1964 तक देश को संभाला। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी मे भविष्य देखने को उसको संवारने की क्षमता थी। नेहरू जी एक महान लेखक होने के साथ एक इतिहासकार भी थे।जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर शहर उपाध्यक्ष अमित मिश्रा, अनुराग राय, पूनम पांडेय, शशांक राय, ठरवक शहर अध्यक्ष अमन सिन्हा, आदिल, देवांश यादव आदि मौजुद रहे।

ई-लाटरी से कृषि यंत्रों हेतु 186 कृषकों का हुआ चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में गठित कृषि यंत्रीकरण की 15 सदस्यीय जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की निगरानी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उन्नति शील कृषि यंत्रो के 186 लक्ष्य के सापेक्ष ई-लाटरी के माध्यम से 186 कृषको का पारदर्शी तरीके से चयन किया गया।

एलईडी लगाकर पहले किसानों को डेमो के रूप में मार्क ड्रील करके दिखाया गया, फिर ई-लाटरी द्वारा चयन किया गया।10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 107 रोटावेटर, 16 कस्टम हायरिंग सेंटर, तीन कंबाइन हार्वेस्टर, चार स्माल गोदाम, पाच पावर टिलर, 09 लेजर लैंड लेवलर, 11 कल्टीवेटर, पाच स्ट्रा रीपर, सात थ्रेशर, चार मिनीराइस मिल और 15 चैफ कटर के लिए किसानों का चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। पारदर्शी तरीके से ई-लाटरी से कृषि यन्त्रो हेतु कृषको के चयन की प्रक्रिया को किसानों ने सराहा।

इस मौके पर उपनिदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एलडीएम, कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेंद्र प्रताप सोनकर, जिला गन्ना अधिकारी सहित इन्द्रशेन सिंह, प्रेमचंद मौर्य, कमलेश यादव, जुनेद अहमद, आतीस तिवारी, आशा, मालती देवी आदि किसान मौजूद रहे।

बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया लक्ष्य एसआईपीए वेल्थ क्रिएशन के साथ रेगुलर इनकम

मुंबई। बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए लक्ष्य एसआईपी लॉन्च किया है, जो निवेशकों को समय के साथ अपनी दौलत में बढ़ोतरी करने और रेगुलर इनकम में मदद करेगी। लक्ष्य एसआईपी सिस्टेमैटिक इन्वेथस्टेमेंट प्ला न एसआईपी और सिस्टमैटिक विद्ड्रॉल प्लान एसडब्ल्यूपी का एक संयोजन है, जो निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य हासिल करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही लक्ष्य एसआईपी निवेशकों को रेगुलर मंथली इनकम करने में भी मदद करेगी। लक्ष्य एसआईपी के जरिए निवेशक बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड द्वारा पेश की जाने वाली इक्विटी.ओरिएंटेड योजनाओं में से किसी एक में मंथली एसआईपी के माध्यम से 8 साल, 10 साल, 12 साल या 15 साल की अलग-अलग अवधि के लिए निवेश या बचत कर सकते हैं। लंबी अवधि में हाई रिटर्न की क्षमता प्रदान करने के लिए इन योजनाओं का सावधानीपूर्वक चयन किया जाता है। चुनी गई एसआईपी अवधि के अंत में, जो फंड तैयार होता है, उसे निवेशकों की पसंद के अनुसार बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड की 5 हाइब्रिड योजनाओं में से किसी एक में स्विच कर दिया जाता है, जिसके बाद एक प्री.सेट सिस्टमैटिक विद्ड्रॉल प्लान शुरू होता है, जो नियमित रूप से मंथली इनकम का जरिया होता है।

लेनोवो ने प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किए गए नए हाई-परफॉरमेंस टैबलेट और लैपटॉप

मुंबई। लेनोवो, ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस लेनोवो ने आज भारत में लेनोवो के11 टैबलेट के अपग्रेडेड वैरिएंट के रूप में लेनोवो टैब के11 (एन्हांस्ड एडिशन) लॉन्च करने की घोषणा की। यह अत्याधुनिक वैरिएंट एंटरप्राइजिज और प्रोफेशनल्स की अलग अलग तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेहद किफायती कीमत पर बेहतरीन परफॉर्मेंस, सुरक्षा, मैनेजेबिलिटी और ड्यूरेबिलिटी का एक बेहतरीन कॉम्बीनेशन प्रदान करता है। आशीष सिक्का, डायरेक्टर और कैटेगरी हेड, लेनोवो इंडिया ने कहा कि यूजर्स की बदलती मांगों को ध्यान में रखते हुए, ङ11 (एन्हांस्ड एडिशन) टैबलेट को आज के एंटरप्राइजिज और प्रोफेशनल्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और मैनेजेबिलिटी का एक बेहतरीन मिक्स प्रदान करता है। इसका वाइब्रेंट डिस्प्ले और पॉवरफुल प्रोसेसिंग इस टैबलेट को उन बिजनेसेज और कर्मचारियों के लिए एक आइडियल विकल्प बनाता है जो एक ही डिवाइस में कई सारे काम एक साथ करने और बेहद कार्यकुशलता की अपेक्षा करते हैं। शानदार 11 इंच की एलसीडी डिस्प्ले के साथ 400 निट्स ब्राइटनेस और 1920 ७ 1200 रिजॉल्यूशन, शानदार विजुअल्स प्रदान करता है। डॉल्बी एटमॉसङ से लैस क्वाड स्पीकर इमर्सिव साउंड प्रदान करते हैं, जो मल्टीमीडिया और बिजनेस उपयोग के लिए आइडियल हैं। मीडियाटेक हीलियो जी88 प्रोसेसर, 8जीबी तक रैम और 128जीबी स्टोरेज (1टीबी तक एक्सपेंडेबल) द्वारा संचालित है। इसके साथ ही ये टैबलेट काफी आसानी से मल्टीटास्किंग और पर्याप्त स्टोरेज सुनिश्चित करता है। केवल 496 ग्राम वजन, 7.15 मिमी पतला और वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.1, एलटीई और फास्ट-चार्जिंग 7040 एमएएच बैटरी से लैस, यह प्रोफेशनल्स के लिए किसी भी सफर में एक आइडियल हमसफर है।

फेडएक्स कॉर्प ने इकोनॉमिक इम्पैक्ट रिपोर्ट जारी की

मुंबई। फेडएक्स कॉर्प ने अपनी सालाना इकोनॉमिक इम्पैट रिपोर्ट जारी कर दी है। इसमें कंपनी के दुनिया भर में नेटवर्क और वित्त वर्ष 2024 के दौरान स्थानीय समुदायों में समृद्धि लाने में कंपनी की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। बिजनेस डिसीजनिंग डेटा और एनालिटिक्स के अग्रणी प्रदाता डन एंड ब्रैडस्ट्रीट के परामर्श से तैयार की गई यह रिपोर्ट फेडएक्स इफेक्ट को उजागर करती है। फेडएक्स इफेक्ट, फेडएक्स द्वारा किए गए कामों का वह प्रभाव दिखाता है जो वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं और विचारों के प्रवाह को तेज करने में सहायक होता है, जिसमें भारत में फेडएक्स का योगदान भी शामिल है। फेडएक्स कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ राज सुब्रमण्यिम ने कहा, फेडएक्स में हम एडवांस्ड डेटा और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर सभी के लिए सप्लाई चेन को अधिक स्मार्ट बनाना चाहते हैं ताकि अपने और उनके ग्राहकों को बेहतर सेवा दे सकें। इससे हमारी पहुंच और प्रभाव दोनों बढ़ेगा। 'फेडएक्स इफेक्ट' उत्कृष्टता, आर्थिक विकास और उन समुदायों के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है जहां हम रहते हैं और जिनके लिए काम करते हैं। इस रिपोर्ट में भारत के लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और वैश्विक कारोबार को बढ़ावा देने में फेडएक्स की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। फेडएक्स ने क्षेत्र में परिवहन, भंडारण और कम्युनिकेशन सेक्टर के शुद्ध आर्थिक उत्पादन में सीधे 0.1% का योगदान दिया है। इसके अलावा, फेडएक्स ने अप्रत्यक्ष रूप से वित्त वर्ष 2024 में क्षेत्र की संपूर्ण अर्थव्यवस्था में करीब 280 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है। कंपनी के बड़े निवेशों में नई दिल्ली कार्गो कॉम्प्लेक्स में गेटवे सुविधा का आधुनिकीकरण शामिल है जिसने निर्यात क्षमता को बढ़ाया और भारतीय निर्यातकों के लिए ट्रांजिट टाइम को घटा दिया है। इससे निर्यातकों को केवल दो से तीन दिनों में ग्लोबल बाजारों तक पहुंचने में मदद मिलती है। फेडएक्स ने फेडएक्स इम्पोर्ट टूल (FiT) पेश किया, जो एक केंद्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है। ये डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट और कस्टम क्लियरेंस को सुव्यवस्थित करता है, भारतीय कारोबारियों को अधिक कुशल आयात प्रक्रियाओं से सशक्त बनाता है। फेडएक्स ने आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी मद्रास में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करके नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और अधिक स्मार्ट, अधिक मजबूत सप्लाई चेन के निर्माण के लिए भारत की तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया।

ऑडी इंडिया ने नई ऑडी Q7 के लिये बुकिंग शुरू की

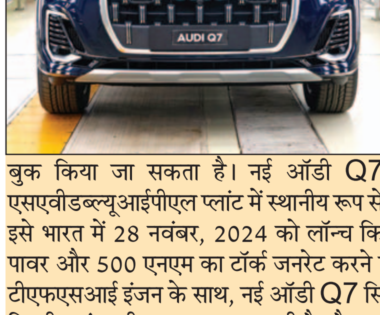

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी ऑडी ने आज से भारत में नई ऑडी द7 के लिये बुकिंग शुरू कर दी है। नई ऑडी Q7को ऑडी इंडिया की वेबसाइट या मायऑडी कनेक्ट ऐप्लीकेशन के जरिये 2,00,000 रुपए की आरंभिक बुकिंग राशि पर बुक किया जा सकता है। नई ऑडी Q7 को औरंगाबाद में स्थित एसएवीडब्ल्यूआईपीएल प्लांट में स्थानीय रूप से असेम्बल किया गया है और इसे भारत में 28 नवंबर, 2024 को लॉन्च किया जाएगा। 340 एचपी की पावर और 500 एनएम का टॉर्क जनरेट करने वाले दमदार 3.0 लीटर वी6 टीएफएसआई इंजन के साथ, नई ऑडी Q7 सिर्फ 5.6 सेकंड में 0 से 100 कि.मी./ घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 250 कि.मी./ घंटा है। ऑडी इंडिया के हेड श्री बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, ऑडी Q7 हमेशा से हमारा सबसे आइकॉनिक प्रोडक्ट रही है और इसे सेलीब्रिटीज समेत सारे लक्षित समूहों ने पसंद किया है। नई ऑडी Q7 के साथ हम ज्यादा खूबियाँ लेकर आ रहे हैं, जैसे कि बिल्कुल नई एक्सटीरियर डिजाइन और नई आकर्षक लाइट्स। हमने औरंगाबाद के अपने ग्रुप प्लांट में नई ऑडी Q7 को स्थानीय आधार पर असेम्बल करना शुरू कर दिया है और हम इसे 28 नवंबर, 2024 को लॉन्च करने के लिये तैयार हैं।

सांसद जगदंबिका पाल ने अमरजीत सिंह के लिए जनता से मांगे वोट

मुंबई। विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। प्रदेश के साथ-साथ बाहर से आए नेता अपनी पार्टी के साथ-साथ सहयोगी दल के उम्मीदवारों को जिताने के लिए जनता के बीच जाकर प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में कालीना विधानसभा से महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह के चुनाव प्रचार में उत्तर प्रदेश की डुमरियागंज लोकसभा सीट से सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदंबिका पाल ने गुरुवार को कालीना विधानसभा क्षेत्र में जाकर अमरजीत सिंह के प्रचार किया। इस दौरान महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह और भाजपा विधायक राजहंस सिंह, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह और मुंबई भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह मौजूद थे। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने मतदाताओं से मुलाकात कर अमरजीत सिंह को जिताने की अपील की। इसके पहले भाजपा नेताओं ने केंद्रीय चुनाव कार्यालय में महायुति के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नेताओं ने कहा कि अमरजीत की जीत को तय करने के लिए कार्यकर्ता-पदाधिकारियों को घर-घर जाकर जनता से मुलाकात करनी चाहिए और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए।

लुईस फिलिप ने पटना मे पेश किया रॉयल वेंडिंग ट्रेजर्स

पटना। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के प्रतिष्ठित मेन्सवियर ब्रैंड लुईस फिलिप ने अपनी नई ₹रॉयल वेडिंग ट्रेजर्स₹ कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कलेक्शन आज के आधुनिक दूल्हे के लिए डिजाइन किया गया है, जो पारंपरिकता को सम्मान देते हुए समकालीन स्टाइल को अपनाना चाहता है। यह कलेक्शन ब्रैंड की अद्वितीय कारीगरी और खूबसूरती को प्रदर्शित करता है, जो निश्चित रूप से दूल्हे के आत्मविश्वास और आकर्षण को शादी के खास दिन पर और बढ़ाएगा। लुईस फिलिप का खास ह्वरॉयल वेडिंग ट्रेजर्स कलेक्शन परंपरागत विवाह समारोहों की भव्यता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को दिखाता है।

प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को किया गया याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपनी दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से भारत को सामाजिक, वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले 'हिंद के जवाहर' को जौनपुर कांग्रेस परिवार का नमन हुकुम देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर जौनपुर कांग्रेस शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का जन्मदिन रासमंडल स्थित रचना विशेष विद्यालय के बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित करके मनाया गया। इस अवसर पर विशाल सिंह हुकुम ने मानसिक रूप से अपरिपक्व बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने वाले रचना विशेष विद्यालय के संचालक और पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू, आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जिसे लोग प्यार से चाचा नेहरू कहते हैं। चाचा इसलिए भी क्योंकि वह बच्चों के सबसे प्रिय थे। यही वजह रही कि आज भी 14 नवंबर के मौके पर उनकी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं। सालों लड़ी लड़ाइयों के बाद मिली आजादी और पहली सरकार के मुखिया पंडित नेहरू के सामने विभाजन का दंश भी था और देश की खराब हालत भी। उन सभी चुनौतियों से पार पाते हुए नेहरू ने 1947 से 1964 तक देश को संभाला। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी मे भविष्य देखने को उसको संवारने की क्षमता थी। नेहरू जी एक महान लेखक होने के साथ एक इतिहासकार भी थे।जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर शहर उपाध्यक्ष अमित मिश्रा,अनुराग राय, पूनम पांडेय, शशांक राय, ठरवक शहर अध्यक्ष अमन सिन्हा,आदिल, देवांश यादव आदि मौजुद रहे।

भूमि अधिकरण घोटाले में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए चार राजस्व निरीक्षकों समेत 10 कर्मचारी दोषी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण घोटाले की जांच में चार राजस्व निरीक्षकों समेत 10 कर्मचारियों को दोषी पाया गया है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोषी कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं । घोटाले में चार करोड़ रुपये से ज्यादा का फर्जी भुगतान किया गया था । राजस्व निरीक्षकों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे खड़े किए गए 46 काश्तकारों को घोटाले की राशि का भुगतान किया था । नियुक्ति विभाग ने निलंबित करने की कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग को फाइल भेज दी है । जौनपुर में मडियाहूं बाईपास (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 135 ए) के निर्माण के लिए बदलापुर,मडियाहूं ,मछलीशहर और सदर तहसील के 14 गांवों की जमीन अधिग्रहीत की गई थी।अक्टूबर माह में घोटाले की जानकारी सामने आने पर शासन ने इसकी जांच शुरू कराई थी । जांच में सामने आया है कि सक्षम प्राधिकारी , भूमि अध्याप्ति झ राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यालय की मदद से 46 काश्तकारों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें भुगतान के नियुक्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार कार्यालय सक्षम प्राधिकारी भूमि अध्याप्ति जौनपुर में तैनात राजस्व निरीक्षक शिवकुमार ,बृजेश सिंह ,संतोष तिवारी व उदयराज को फर्जी भुगतान के लिए दोषी पाया गया है।अमीन मिलानकर्ता के पद पर तैनात अनिल मंडल।आशीष सिंह ,अनिल यादव ,हिमांशु शर्मा , रोबिन साहू व सौरभ मौर्या को भी दोषी पाया गया है । मामले में आगे की कार्रवाई राजस्व परिषद को करनी है ।

अभिलेखों में नमो घाट का नाम हुआ दर्ज, कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से दी स्वीकृति

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आज कार्यकारिणी समिति की बैठक की गयी, बैठक पूर्वान्ह 12 बजे नगर निगम सभागार में आयोजित हुई। नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 91(1) के अन्तर्गत अनुज्ञप्ति विभाग के उपविधि का प्रस्ताव रखा गया। जिसमें मा0 कार्यकारिणी समिति के द्वारा इस शर्त के साथ पारित किया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार का परिवर्तन करने का अधिकार कार्यकारिणी व सदन में होगा। पिछले दिनों शासन द्वारा वाहन स्टैंडों का किराया बढ़ाये जाने एवं नई नियमावली जारी की गयी थी।जिसे आज मा0 कार्यकारिणी की बैठक में अनुपालन हेतु प्रस्ताव रख कर अवगत कराया गया। बी0एल0डब्लू0 क्षेत्र के पीछे चांदमारी, मढ़ौली, मंडुआडीह आदि कई नवविस्तारित क्षेत्रों में जलनिकासी की समस्या को देखते हुये जलनिकासी की व्यवस्था करने हेतु प्रस्ताव रखा गया। जिसे मा0 कार्यकारिणी समिति के द्वारा पारित किया गया। राजस्व विभाग के द्वारा कार्यकारिणी की बैठक में नगर निगम के आवासों में रह रहे आवंटियों के बारे में प्रस्ताव रखा गया। जिसमें राजस्व विभाग के द्वारा बताया गया कि नगर निगम के कुल 243 आवास हैं।जिसमें वर्तमान में नगर निगम कर्मी के रूप में मात्र 55 आवंटी हैं। तथा 66 आवासों में सेवानिवृत्त/स्थानान्तरित/ मृतक के परिवार रहते हैं।साथ ही 85 आवास, आम नागरिकों को आवंटित किया गया तथा 37 आवासों में अवैध रूप से लोग निवास कर रहे हैं। राजस्व विभाग के द्वारा बताया गया कि आवंटियों को 15 वर्ष के लिये पूर्व में आवंटन के तहत अनुबन्ध किया गया है। जिसकी समय सीमा पूर्ण हो चुकी है। कार्यकारिणी समिति द्वारा निर्णय पारित किया गया कि अनुबन्ध की समय सीमा पूर्ण हो जाने के फलस्वरूप सभी को नोटिस जारी किया जाय, तथा बाजार दर एवं डी0एम0 सर्किल रेट का परीक्षण कर नियमानुसार किराया निर्धारित किया जाये । पुनःअनुबन्ध की कार्यवाही की जाय। 91(2) के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रस्ताव मा0 कार्यकारिणी समिति की बैठक में आज बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव मा0 उपसभापति नरसिंह दास के द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपसभापति के द्वारा आदिकेशवघाट एवं राजघाट,भैंसासुर घाट के बीच बने नये घाट का नामकरण नमो घाट करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। जिसे महापौर एवं सभी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के द्वारा इस प्रस्ताव पर स्वीकृति देते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया।

ल्यूब्रिजॉल और पॉलीहोज ने मेडिकल ट्यूबिंग बनाने और चेन्नई में क्षमता बढ़ाने के लिए एमओयू किया

चेन्नई। स्पेशल्टी केमिकल्स में दुनिया की अग्रणी कंपनी ल्यूब्रिजॉल और फ्लूइड कन्वेयर्स सिस्टम में वैश्विक अग्रणी, पॉलीहोज ने आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू का मकसद भारतीय चिकित्सा क्षेत्र को नई-नई खोज करने में नई ऊंचाइयाँ हासिल करने में मदद करना है। यह समझौता ज्ञापन इन दोनों संगठन के बीच लंबे समय तक की गई साझेदारी का विस्तार है। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री डॉ. टी.आर.बी.राजा एवं तमिलनाडु के उद्योग सचिव वी. अरुण रॉय की मौजूदगी में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद लुब्रिजोल नेतृत्व ने तमिलनाडु के आईएएस, मुख्य सचिव थिरु.एन. मुरुगानंदम से मुलाकात की। इस सहयोग के तहत, ल्यूब्रिजॉल और पॉलीहोज तमिलनाडु में एक मेडिकल फैक्ट्री का निर्माण करना चाहते हैं। इस निर्माण केंद्र की बदौलत ल्यूब्रिजॉल की स्थानीय मेडिकल ट्यूबिंग के परिमाण में पाँच-गुणा बढ़ोतरी होगी, जिससे भारत में तथा निर्यात के द्वारा पूरी दुनिया में जीवन-रक्षक मेडिकल ट्यूबिंग की सुलभता आसान हो जायेगी। इस साझेदारी बनाई जाने वाली उच्च गुणवत्ता की मेडिकल ट्यूबिंग का प्रयोग स्नायुधमनीय (न्यूरोवैस्कुलर) तथा हृदयधमनीय (कार्डियोवैस्कुलर) से संबधित चिकित्सा प्रयोगों, जैसे कि बलून कैथेटर्स और मिनिमल इनवेसिव प्रोसीजर कैथेटर्स में किया जाएगा। ल्यूब्रिजॉल की प्रेसिडेंट और सीईओ, रेबेका लिबर्ट ने कहा कि, ₹हम इस रोमांचक परियोजना के लिए पॉलीहोज और तमिलनाडु सरकार के साथ सहयोग कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। भारत ल्यूब्रिजॉल के नवाचार और विकास के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है, और हमारा मौजूदा निवेश भारत में लोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल रणनीति के प्रति हमारा समर्पण दिखाता है।

डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री ने 'आपका अंगरक्षक' अभियान लॉन्च किया

मुंबई। डाबर इंडिया की ओर से डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री ने विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में 'आपका अंगरक्षक' के साथ एक मेगास्वास्थ्य जागरूकता अभियान शुरू किया। अभियान का उद्देश्य प्रतिरक्षा की आवश्यकता और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने, स्वस्थ भोजन करने और फिट रहने के साथ-साथ मधुमेह रोगी के लिए महत्वपूर्ण अंगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। डाबर इंडिया के मार्केटिंग हेड - हेल्थ सप्लिमेंट्स अमित गर्ग ने कहा, आईसीएमआर के एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 4 में से 1 भारतीय या तो मधुमेह से पीड़ित है या पूर्व-मधुमेह से पीड़ित है। मधुमेह के कारण इंसुलिन के स्तर में उतार-चढ़ाव होता है जिससे शुगर के स्तर में वृद्धि होती है। यह शरीर में हानिकारक मुक्त कण पैदा करता है जो आंखों, हृदय, फेफड़े, गुर्दे, यकृत जैसे महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकता है और हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बाधित कर सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री ने एक स्वास्थ्य पूरक के रूप में, इस विश्व मधुमेह पर स्वस्थ आहार और फिटनेसरखने के अलावा प्रतिरक्षा को मजबूत करने, महत्वपूर्ण अंगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नया अभियान 'आपका अंगरक्षक' शुरू किया है। डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री आपको बिना किसी अतिरिक्त चीनी के डाबरच्यवनप्राश की अच्छाई देता है। मधुमेह रोगियों के लिए सुरक्षित होने के लिए इसका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया है। यह शुद्ध घी के साथ आंवला, अश्वगंधा, गिलोय आदि जैसी 40 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के मिश्रण के साथ आयुर्वेदिक ग्रंथों के अनुसार सिद्ध 5000साल पुराने फॉमूर्लेशन पर आधारित है। नया टीवीसी इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और प्रतिरक्षाबढ़ाने की क्रिया होती है, मुक्त कणों को बेअसर करने और आपके महत्वपूर्ण अंगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने में मदद करता है। श्री गर्ग ने आगे बताया कि मधुमेह से पीड़ित लाखों लोगों को घर और काम पर अपनी स्थिति का प्रबंधन करने में दैनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मधुमेह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है जिससे संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। डाबर च्यवनप्रकाश शुगरफ्री को विशेष रूप से मधुमेह रोगियों और उन लोगों की प्रतिरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है जो अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए चीनी मुक्त समाधान ढूंढ रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा को श्रवण मात्र से मुक्ति प्राप्त होता है : साध्वी भाग्यश्री देवी

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल धर्मसार नगरी स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर पर श्री मद्भागवत कथा का आयोजक प्रेम कृष्ण तिवारी, आयोजक भगवान शिव तथा ओसवाल नगरी के सभी शिवभक्तों द्वारा दिनांक 12 नवंबर 2024 दिन मंगलवार से शुचारु रुप से चल रहा है। शिव भक्त प्रेम कृष्ण विजय तिवारी के पावन संकल्प से प्रायोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का तीसरे दिन शुरू होने से पहले मुख्य यजमान शिव भक्त प्रेम कृष्णा तिवारी ने व्यासपीठ का पूजन किया और राधा रानी की आरती उतारी ततपश्चात कथा शुरू हुई अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक भाग्यश्री देवी जी वृंदावन वासी ने कहा कि सतयुग और त्रेता युग में धरती पर कभी किसी की अकाल मृत्यु नहीं होती थी ।परंतु मनुष्य के कर्मों के आधार पर द्वापर युग से अकाल मृत्यु की घटनाएं प्रारंभ हुई और अब कलयुग में इतना विस्तार हो गया है की जन्म लेने वाला जातक कितने दिनों तक धरती पर रहेगा ।उसकी कोई गारंटी नहीं है भाग्य श्री देवी जी ने धनुष भंग और भगवान के विवाह की कथा का मार्मिक ढंग से चित्रण करते हुए कहा कि जो जनकनंदिनी कभी धरती पर पैर नहीं रखी वह कांटों पर चौदह वर्षो तक चलती रही। यह पहले से ही प्रारंभिक था । लोग अपने अपने कर्मों के अनुसार फल भोगते हैं।कलयुग में तो मनुष्य के धरती पर आने और जाने का कोई समय सीमा तय नहीं है । साध्वी भाग्यश्री देवी ने राजा परीक्षित की कथा पर प्रकाश डालते हुए कही की मृत्यु निश्चित है, उनका उद्धार तभी हो सकता है जब वे श्रीमदभागवत ज्ञान यज्ञ कथा का श्रवण करें । कथा सुनते ही लोग भाविक हो गये इस धर्म नगरी में वृंदावन की कथा वाचक साध्वी भाग्यश्री देवी जी ने अपने मुखारविंद से अमृत रुपी वर्षा कर रही है। उनके कथा को सुनने के लिए दिन प्रतिदिन भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

आईसीएमआर ने मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन की डॉ. अंजना को रिसर्च एक्सिलेंस अवार्ड से सम्मानित किया

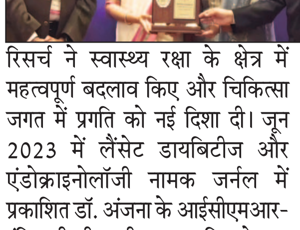

मुंबई। मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन की प्रेसिडेंट और डॉ. मोहन्स डायबिटीज स्पेशलिटी सेंटर, चेन्नई की मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. आर. एम. अंजना, को आईसीएमआर के 113वें स्थापना दिवस समारोह पर आयोजित डीएचआर-आईसीएमआर हेल्थ रिसर्च एक्सिलेंस समिट 2024 में रिसर्च एक्सिलेंस रिकग्निशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार बेस्ट एक्सट्राम्यूरल पेपर की श्रेणी में प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम 14 नवंबर 2024 को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री और रसायन एवं उर्वरक राज?य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने की। इस समिट में जैव चिकित्सा क्षेत्र में शोधकताओं को उनके खास योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिनकी रिसर्च ने स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए और चिकित्सा जगत में प्रगति को नई दिशा दी। जून 2023 में लैंसेट डायबिटीज और एंडोक्राइनोलॉजी नामक जर्नल में प्रकाशित डॉ. अंजना के आईसीएमआर-इंडियाबी की स्टडी पर आधारित शोधपत्र को इस सम्मान के लिए चुना गया। डॉ. अंजना ने अब तक लगभग 400 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनका एच-इंडेक्स 81 है। उनकी रिसर्च ने बहुत अधिक प्रभाव डाला है और बहुत से शोधकर्ताओं ने इसे कोट किया है। डॉ. अंजना को देश और विदेश की कई एजेंसियों ने सबसे युवा मेडिकल शोधकर्ता और वैज्ञानिक में से एक के रूप में मान्यता दी है। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने उन्हें यह सम्मान दिया है। डॉ. अंजना का योगदान एपिडेमियोलॉजी रोगों के फैलने और उनके कारणों का अध्ययन और शारीरिक गतिविधि के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'ठांडव' नामक एक हाई इंटरवल इंटेंसिटी ट्रेनिंग का विकास किया। 'ठांडव' में विशेष रूप से डांस का उपयोग इसे और भी प्रभावी बनाता है। नृत्य से शरीर के विभिन्न अंग एक्टिव होते हैं। हृदय की धड़कन तेज होती है और पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यायाम विशेष रूप से गैर संक्रामक रोगों जैसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग आदि को रोकने के लिए लाभकारी माना जाता है।

हर मामले में रावण से श्रेष्ठ थे भगवान राम : प्रेमभूषण महाराज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बीआरपी इण्टर कॉलेज के मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से प्रायोजित सात दिवसीय रामकथा के पाँचवें दिन कथा शुरू होने से पहले मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह ने सपरिवार व्यासपीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी। तत्पश्चात कथा शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि भारत भूमि धर्म की भूमि है, तीर्थों की भूमि है। ऋषि मुनियों की भूमियों की है, धर्मशील आचरण करने वाले महापुरुषों की भूमि है।साधु-संतों की भूमि है। राघव जी की कृपा से देश को धर्मशील प्रशासक मिला है तो सनातन धर्म की बाधा मिट रही है। पूज्यश्री ने कहा कि राम और रावण की एक ही राशि थी। रावण ने ब्राह्मण कुल में जन्म लिया था और भगवान राम क्षत्रिय कुल में जन्मे थे। कुल तो रावण का श्रेष्ठ था लेकिन जब हम दोनों के व्यवहार की बात करते हैं।आचरण की बात करते हैं। आहार और विहार की बात करते हैं तो रामजी हर मामले में रावण से श्रेष्ठ थे। रामजी और रावण दोनों शिव उपासक हैं लेकिन एक की पूजा संसार के लोगों को संताप देने के लिए तो दूसरे की पूजा संसार को शांति प्रदान करने के लिए है। श्री महाराज ने कहा कि धर्मार्थी ज्ञानप्रकाश सिंह के सौजन्य से ही यह रामकथा सुनाने का सौभाग्य हुआ और उनके प्रयास से ही जौनपुर शहर राममय हुआ। श्री महाराज ने कहा कि समाज में आम लोग श्रेष्ठ के ही आचरण का अनुकरण और अनुसरण करते हैं। ऐसे में सभी श्रेष्ठ व्यक्तियों के लिए आवश्यक है कि वह अपने आचार, व्यवहार, आहार में श्रेष्ठता का प्रदर्शन करें जिनका अनुकरण किया जा सके। भारतीय सनातन संस्कृति में यह बार-बार प्रमाणित हुआ है कि जो भी व्यक्ति धर्म पथ पर चलते हुए संसार में विचरण करते हैं उनके घर से दुख भी दूरी बनाकर रहता है और ऐश्वर्य स्वयं चलकर उनके घर पहुंचते हैं। पूज्य श्री ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी की यह शिक्षा मनुष्य को हमेशा याद रखने की आवश्यकता है कि भगवद प्रसाद का रस अपने आप प्राप्त नहीं होता है उसके लिए प्रयास करना होता है। श्रीमहाराज ने कहा कि हर किसी के पास अपनी व्यथा की एक अलग ही कथा है जिसे सुनकर किसी का भी मन विचलित हो जाता है लेकिन जब हम प्रभु की कथा सुनते हैं तो चाहे किसी भी विधि से सुनते हैं तो मन में एक आनंद और नए उत्साह का निर्माण होता है। पूज्य श्रीमहाराज ने कहा कि अगर हम कर्तव्य करते हैं तो अधिकार की प्राप्ति स्वतः ही हो जाती है लेकिन अगर किसी को बिना वजह कुछ प्राप्त हो जाता है।तो उसे उसी समय सावधान हो जाने की जरूरत है क्योंकि अनाधिकार कुछ भी जो प्राप्त होता है वह विष के समान है और जीवन में दुख ही दुख प्राप्त होता है। उदाहरण स्वरूप महाराज ने कहा कि भैया भरत ने राजगद्दी इसलिए नहीं संभाली क्योंकि राजगद्दी पर राजा राम का अधिकार था भैया भरत उस पर अपना अधिकार नहीं मानते थे। यहां तक की पूज्य गुरुदेव जी की आज्ञा का उल्लंघन करते हुए भी उन्होंने गद्दी पर राजा राम जी का ही अधिकार माना और राजा राम जी का राज्याभिषेक करने के लिए वह सदल बल चित्रकूट की ओर रवाना हो गए। श्रीमहाराज ने कहा कि राम साक्षात परमात्मा हैं। राम भगवान हैं जिनके पास पांचों तत्वों का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा देवताओं के देव हैं, उन्हें असुर भी पूजते थे। श्रीमहाराज ने कहा कि वर्ष में एक बार तीर्थ जरूर करना चाहिए। तीर्थ करने से भगवान में मन लगा रहता है। 'तीरथ करो जवानी में बूढ़ापा किसने देखा है' गीत पर महिलाएं पंडाल में थिरकती नजर आयीं। भगवान किसी से रूष्ट नहीं होते हैं। उनकी कृपा हमेशा भक्तों पर बनी रहती है। सिर्फ भक्ति करने अलग अलग तरीका होता है जो भक्त समर्पित होता है उसे शंका नहीं लगती है लेकिन जो समर्पित नहीं होता है उसे हमेशा भक्ति को लेकर संशय बना रहता है। श्रीमहाराज ने कहा कि अगर भगवान वन नहीं गए होते तो पुरुषोत्तम राम नहीं कहलाते। वह वन नहीं गए थे वह तो तीर्थ का बहाना था। उन्होंने कहा कि सत्संग से प्यार करना सीखें, जीवन का उद्धार करना सीखें, धन दौलत साथ नहीं जाएगा।अकेला ही जाना है। किसी को खुश करने की फिराक में मत रहिए, अपने खुश रहने की सोचिए। यह रामकथा सेवाभारती के नेतृत्व में चल रही है। इस मौके पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह, पूर्व विधायक हरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. लीना तिवारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन, सेवाभारती के जिलाध्यक्ष डॉ. तेज सिंह, माउंट लिट्रा जी स्कूल के डायरेक्टर डॉ. अरविंद सिंह, राधेश्याम सिंह मुन्ना पूर्वांचल, विक्रम सिंह प्रतापगढ़, पूर्व सभासद विनय सिंह, आयोग के सदस्य डॉ. आरएन त्रिपाठी, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह, भाजपा नेता जेपी सिंह, पप्पू माली, रविंद्र सिंह ज्योति, शिक्षक नेता दीपक सिंह, अमित सिंह, पत्रकार कृष्णा सिंह, आशुतोष सिंह, शिवा सिंह, पूर्व प्रो. अशोक सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, आरएसएस के सुरेश, संजय पाण्डेय सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।